हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

Title code - UPHIN51139

धरती पूर्वांचल की

महराजगंज से प्रकाशित

वर्ष : 02 | अंक : 03 | महराजगंज, | मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

संक्षिप्त समाचार

आदित्य ठाकरे ने दादर हनुमान मंदिर में महाआरती की

मुंबई ,(एजेंसी)। एक मंदिर को गिराने के लिए रेलवे के नोटिस जारी करने को लेकर हुए विवाद के बीच शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने शनिवार को दादर स्टेशन के बाहर स्थित हनुमान मंदिर में महाआरती की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मंगल प्रभात लोढ़ा ने इससे पहले दिन में दावा किया था कि उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की है और मंदिर के खिलाफ कार्रवाई रोक दी गई है। आदित्य शाम को मंदिर पहुंचे और महाआरती की। इस दौरान उनके साथ पार्टी नेता अनिल देसाई, संजय राउत और कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इससे पहले, पत्रकारों से बात करते हुए आदित्य ने इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह हिंदुत्व की विचारधारा का इस्तेमाल केवल वोट पाने के लिए करती है। उन्होंने कहा कि हालांकि, रेलवे ने तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगा दी है, लेकिन उसे नोटिस वापस लेना चाहिए। रेलवे ने मंदिर के न्यासीधुजारी को चार दिसंबर को भेजे नोटिस में कहा था कि यह ढांचाअतिक्रमण कर बनाया गया है और उसकी स्वामित्व वाली भूमि पर बिना अनुमति के निर्माण किया गया है।

नीतीश ने मणिपुर में बिहार के दो प्रवासी मजदूरों की हत्या पर शोक जताया

पटना,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये रविवार को मृतकों के परिजनों को दो–दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। गोपालगंज जिले के निवासी लक्ष्मण कुमार (18) और दशरथ कुमार (17) की शनिवार शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई। निर्माण कार्य से जुड़े ये मजदूर काकचिंग में किराए के मकान में रहते थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि नीतीश कुमार मणिपुर में बिहार के लक्ष्मण कुमार और दशरथ कुमार की हत्या से दुखी हैं। उन्होंने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री ने मणिपुर में बिहार निवासियों की हत्या पर गंभीर चिन्ता व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना में दिवंगत लक्ष्मण कुमार और दशरथ कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो–दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने साथ ही श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओंसे नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में बिहार के स्थानिक आयुक्त को स्थिति की जानकारी लेने तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस के माथे से कभी नहीं मिट सकता आपातकाल का पाप : पीएम मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर बार–बार संविधान की भावना की हत्या करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आपातकाल का पाप देश की सबसे पुरानी पार्टी के माथे से कभी नहीं मिट सकता। उन्होंने कहा कि पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर गांधी परिवार की हर पीढ़ी ने सत्ता में रहते हुए संविधान से छेड़छाड़ किया है। पीएम मोदी ने लोकसभा में भारतीय संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर सदन में दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आज संविधान के 75 साल पूरे हो रहे हैं, लेकिन अगर हम पीछे मुड़कर देखें तो जब संविधान के 25 साल पूरे हो रहे थे, तब आपातकाल लगाया गया था, संवैधानिक अधिकारों को नकार दिया गया था और देश को एक बड़ी जेल में बदल दिया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब इसी सदन में उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस का जश्न मनाने का सुझाव दिया था तो एक वरिष्ठ सदस्य ने उसकी आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि 26 जनवरी तो है ही। कांग्रेस, और विशेष रूप से गांधी–नेहरू परिवार पर जबरदस्त हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह किसी का व्यक्तिगत अपमान नहीं करना चाहते लेकिन तथ्यों को देश के सामने रखा जाना चाहिए। कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले 75 साल में से 55 साल इस परिवार ने देश पर राज किया है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान कई राजनीतिक दलों के नेताओं को जेल भेजा गया था लेकिन अब कांग्रेस से हाथ मिलाना उनकी मजबूरी है। आपातकाल के दौरान लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे। हजारों नागरिकों को जेलों में डाल दिया गया, न्यायपालिका को खामोश कर दिया गया और प्रेस की स्वतंत्रता पर ताला लगा दिया गया। इतना ही नहीं प्रतिबद्ध न्यायपालिका की अवधारणा को उनके द्वारा आक्रामक रूप से प्रचारित किया गया। न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना जिन्होंने इंदिरा गांधी के खिलाफ उनके निर्वाचन के मामले में फैसला सुनाया था, उनके क्रोध का निशाना बने। वरिष्ठता के आधार पर उन्हें सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनना चाहिए था, लेकिन जानबूझकर मुख्य न्यायाधीश के पद से वंचित कर दिया गया था। यह संविधान और लोकतंत्र की घोर उपेक्षा थी। कांग्रेस के शासनकाल की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उस समय प्रधानमंत्री नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था कि अगर संविधान हमारे लिए बाधा बनता है, तो हमें उसमें बदलाव लाना चाहिए। पीएम ने कहा, हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि देश चुप नहीं बैठा। राष्ट्रपति और स्पीकर ने पं. नेहरू को चेतावनी दी और उन्हें रोकने की कोशिश की।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत व सुरक्षित भारत की पृष्ठभूमि में पटेल की सोच : सीएम योगी

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में रविवार को लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि सरदार पटेल वर्तमान भारत

के शिल्पी थे। उनका जीवन राष्ट्र एवं भारत मां के चरणों में समर्पित था। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री के रूप में देश के एकीकरण के अभियान को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। साथ ही 563 से अधिक रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। आज का भारत सरदार पटेल की सूझबूझ का परिणाम है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत, सुरक्षित भारत की पृष्ठभूमि में सरदार पटेल की सोच, प्रयास व परिश्रम है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार विदेश नीति की विफलता : अखिलेश यादव

लखनऊ,(संवाददाता)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मुद्दे पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा। कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह विदेश नीति की असफलता है। एक संत को जेल में डाल दिया गया। वहां लोगों के साथ गलत व्यवहार हो रहा है। इसका मतलब है विदेश नीति गड़बड़ है। भाजपा सरकार पड़ोसी देशों से संबंध ठीक नही रख पा रही है। विदेश में रह रहे अपने लोगों की सुरक्षा नहीं कर पा रही है। यह केंद्र सरकार की विफलता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पीडीए की एकता और ताकत से भाजपा घबराई हुई है। पीडीए जितना मजबूत और एकजुट होगा, भाजपा उतना ही ज्यादा सांप्रदायिक राजनीति करेगी। भाजपा के पास महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और किसानों को उनका हक और सम्मान दिलाने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर हर जगह खोदाई होगी तो देश आगे नही बढ़ेगा। अगर विकसित भारत बनाना है तो सबका सम्मान करना होगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दस साल पहले गंगा सफाई का वादा किया था, लेकिन कानपुर और कन्नौज समेत तमाम जगह नाले गंगा में जा रहे है। समाजवादी पार्टी हमेशा से ईवीएम के खिलाफ है। हम ईवीएम से चुनाव जीतकर ईवीएम को हटाएंगे।

14 वर्ष बाद आया सुप्रीम कोर्ट का आदेश, एसीआर न मिलने पर हुई थी कार्रवाई

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय ने वर्ष 2010 में सभी डॉक्टरों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट मंगवाई। ऑनलाइन व्यवस्था नहीं होने की वजह से उस वक्त यह रिपोर्ट हाथ से लिखकर भेजी जाती थी। विभिन्न जिलों से करीब 182 डॉक्टरों की रिपोर्ट नहीं मिली। इस आधार पर उन्हें चार से पांच साल तक अनुपस्थित दिखा दिया गया। इसी आधार पर इन डॉक्टरों को बर्खास्त करने का आदेश जारी हो गया। इससे विभाग में हलचल मची। इस सूची में कई ऐसे भी डॉक्टर थे, जो महानिदेशालय में ही कार्य कर रहे थे। कुछ ऐसे डॉक्टर थे, जो प्रतिनियुक्ति पर अलग–अलग शाखाओं में जिम्मेदारी निभा रहे थे। सूची जारी होने के बाद इन डॉक्टरों ने खुद के संबंधित स्थान पर कार्य करने का सुबूत दिया। यह भी बताया कि वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट का रखरखाव और उसे तैयार करने की जिम्मेदारी विभाग की है। जिन लोगों ने सुबूत दिया, उनकी बहाली कर दी गई। इस बीच डॉ. सुदर्शन कुमार सहित करीब 15 डॉक्टरों ने अदालत की शरण ली। वे हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। यहां से उन्हें ढाई–ढाई लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। हालांकि इस आदेश का इन दिनों बर्खास्त होने वाले डॉक्टरों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। प्रदेश में अब मानव संपदा पोर्टल पर सभी डॉक्टरों

की रिपोर्ट मौजूद रहती है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर तबादला नहीं होने पर संबंधित डॉक्टर का वेतन भी रुक जाता है। ऐसी में उसकी जानकारी मिल जाती है। इसी तरह कार्यभार ग्रहण करने के कुछ दिन बाद गायब होने वाले डॉक्टरों के बारे में पोर्टल के साथ ही सभी सीएमओ और अधीक्षकों से भी रिपोर्ट ली जाती है। लंबे समय से गायब रहने वाले डॉक्टरों को तीन नोटिस दी जाती है। नोटिस का जवाब नहीं मिलने के बाद उन्हें बर्खास्त किया जाता है। करीब दो साल में 100 से ज्यादा डॉक्टरों के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्यवाही की गई है। बर्खास्तगी के बाद संबंधित पद को रिक्त घोषित किया जाता है। इस पद पर नई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाती है।

मोदी ने नया कुछ नहीं बोला सिर्फ बोर किया : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में संविधान अंगीकार करने के 75 वर्षों के गौरवशाली यात्रा पर दो दिन चली चर्चा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनके भाषण में कुछ नया नहीं

था। श्रीमती वाड्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के श्री मोदी के भाषण पर प्रतिक्रिया पूछने पर कहा कि उनके भाषण में कोई दम नहीं था और जो 11 संकल्प उन्होंने बताए हैं उनमें भी कुछ नहीं है। श्री मोदी के बताए ये सभी संकल्प खोखले हैं। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री जी ने एक नई चीज नहीं बोली, पूरी तरह से बोर कर दिया। मैंने सोचा था.. प्रधानमंत्री जी कुछ नया और अच्छा बोलेंगे, लेकिन खोखले 11 संकल्प गिनाए। अगर भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस है ।

छाती पर पैर रखकर सुनाएंगे कृष्ण और राम की गाथा : मोहन यादव

भोपाल,(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शनिवार को शहडोल और मऊगंज में आयोजित कार्यक्रमों में आक्रामक रुख में नजर आए। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तुम्हारी छाती पर पैर रखकर भगवान राम और कृष्ण की गाथाएं सुनाएंगे। मुख्यमंत्री ने शहडोल जिले में बाणसागर बांध के बैक वाटर पर बने सरसी पर्यटन केंद्र और रिजॉर्ट का लोकार्पण तथा मऊगंज में विकास कार्यों का लोकार्पण और छात्रवृत्ति का अंतरण किया। इन आयोजनों में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राम मंदिर निर्माण में कांग्रेस की ओर से खड़ी की गई बाधाओं और राज्य सरकार के गीता महोत्सव आयोजन पर उठाए गए सवालों को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा, हमारे विरोधी कहते हैं कि हम भगवान राम और कृष्ण की बात सुनाते हैं। हां, हम सुनाते हैं। हम डंके की चोट पर और तुम्हारी छाती पर पांव रखकर राम और कृष्ण की गाथाएं सुनाएंगे और तुम्हें सुननी पडेघ्गी। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि आखिर भगवान राम और कृष्ण से तुम्हारे कौन से जन्म के झगड़े हैंघ्, जरा बताओ तो सही। सनातन संस्कृति से किस बात की लड़ाई है, कांग्रेस

वालों की। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हल्ला बोला और कहा कि जब बांग्लादेश में गड़बड़ होती है तो उनके मुंह में ताले लग जाते हैं और इजरायल बम गिरा दे तो है हाय अल्लाह करने लगते हैं, और न जाने क्या–क्या चिल्लाने लग जाते हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव पहली बार कांग्रेस पर इतने हमलावर दिखे। बीते दिनों की घटनाओं को लेकर उन्होंने एक–एक कर प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने शहडोल के ब्योहारी के जनकल्याण पर्व समारोह में 31.68 करोड़ रुपये की लागत के 22 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 320.7 करोड़ रुपये की लागत के 40 विकास कार्यों का भूमि–पूजन किया। साथ ही कई योजनाओं के लाभुकों को भी मदद प्रदान की। मुख्यमंत्री ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों की शहादत को नमन करते हुए शासकीय महाविद्यालय बाणसागर ब्यौहारी का नामकरण शहीद गोविन्द प्रसाद मिश्रा के नाम पर करने की घोषणा की। साथ ही उनकी धर्मपत्नी को शासकीय नौकरी देने की भी घोषणा की।

घर के बाहर नेम प्लेट लगना भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान : मनोज तिवारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली भाजपा ने कार्यकर्ताओं के घरों पर नेम प्लेट लगाने का अभियान शुरू किया है। प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल के आवास के बाहर पार्टी नेता स्मृति ईरानी ने एक विशेष नेम प्लेट लगाया है। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन ने भाजपा सांसद मनोज तिवारी के घर के बाहर नेम प्लेट लगाया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए मनोज तिवारी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के घर के बाहर नेम प्लेट लगना बीजेपी का एक बहुत बेहतरीन अभियान है। हमने अपने घर से इसकी शुरुआत की। राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन ने आज अपने हाथों से मेरे घर के बाहर मेरे नाम की नेम प्लेट लगाई। इसके जरिये उन्होंने हमारा एक तरह से सम्मान भी किया है। मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज (शनिवार को) लॉ इन ऑर्डर को लेकर गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखा है। अरविंद केजरीवाल को दिल्ली वालों ने जो जिम्मेदारी दी थी, वह उसकी बात ही नहीं करना चाहते। दिल्ली में गंदा पानी पीने की वजह से पिछले 10 साल में 21,000 के आसपास लोग मर गए हैं। यह सब मेडिकल रिपोर्ट में है, जिसकी वह बात नहीं करते हैं। लगातार आज हम जहरीली सांस ले रहे हैं, इस पर वह बात नहीं करते हैं। उन्होंने 11 साल में किसी का राशन कार्ड नहीं बनाया है, दिल्ली में इसको अरविंद केजरीवाल क्यों छुपाना चाहते हैं? आज वह गैर–कानूनी तरीके से देश में आए रोहिंग्या मुसलमान के वोट को बचाने के लिए चुनाव आयोग जा रहे हैं।

उपभोक्ताओं की चिंता है, लेकिन उत्पादन करने वालों की नहीं : कपिल सिब्बल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की संवैधानिक गारंटी तथा अन्य मांगों को लेकर किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सरकार को घेरते हुए कहा कि उसे उपभोक्ताओं की चिंता है, लेकिन उत्पादन करने वालों की नहीं। कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, किसान की मेहनत से देश की जनता को खाने की वस्तुएं मिलती हैं। अगर वह चाहता है कि उसको अपनी फसलों का अच्छा दाम मिलना चाहिए, तो गलत क्या है। किसान के पास जमीन और उत्पादन के अलावा कुछ नहीं है। किसानों के पास पैसे नहीं है, अगर वह बैंक से पैसे लेता है और फसल खराब हो जाए, तो वह उसको चुका नहीं पाता। इसलिए लोन माफ किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसान दिल्ली आकर यह कहता है कि उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना चाहिए, तो गलत क्या है? लेकिन चर्चा यह हो रही है कि उन्होंने सब कुछ दे दिया। अगर ऐसा है तो किसान क्यों खड़े हैं। किसान अपनी जिंदगी अच्छे से बिताए और उनको अच्छा काम मिले, यह बहुत जरूरी है। सिब्बल ने कहा, इस बात से तो लोग डरते हैं कि महंगाई बढ़ रही है और सस्ते दाम पर चीजें मिलनी चाहिए। ऐसे में जो उपभोक्ता हैं,

उनका हमें ज्यादा ख्याल है, लेकिन जो उत्पादन करता है, उसका कम ख्याल है। ऐसी नीति गलत है और किसान को सही मुआवजा मिलना ही चाहिए। किसान अपनी जायज मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं और उन पर जो आंसू गैस चला रहे हैं, वे आखिर में रोएंगे। नई दिल्ली की कानून–व्यवस्था को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखी चिट्ठी पर सिब्बल ने कहा, पूरे देश के लॉ एंड ऑर्डर पर बात करनी चाहिए। मणिपुर मुद्दे को एक साल से ज्यादा हो गया।

मारपीट में साथी के चालान पर तहसील में अधिवक्ताओं ने किया हंगामा

गोरखपुर ,(संवाददाता) मलंग स्थान चौराहे पर बृहस्पतिवार को मारपीट में एक पक्ष घायल हो गया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने अधिवक्ता शेषनाथ समेत चार आरोपियों को हिरासत में लेकर शांतिभंग में चालान कर दिया। शाम के समय करीब छह बजे तहसील में एसडीएम सदर के यहां चारों आरोपियों को पुलिस ने पेश किया। इस दौरान कलक्ट्रेट से करीब 50 से अधिक अधिवक्ताओं की भीड़ एकत्रित हो गई। गुलरिहा पुलिस पर एक पक्ष की तरफ से मिलीभगत कर कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करने लगे। करीब 30 मिनट तक तहसील में हंगामा चला। फिर एसडीएम से बातचीत के बाद अधिवक्ता शांत होकर लौटे। प्रदर्शन की सूचना पर कैंट पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। गुलरिहा पुलिस के अनुसार, सरहरी चौकी क्षेत्र के मलंग स्थान निवासी जाफर गुप्ता बृहस्पतिवार सुबह चौराहे पर एक व्यक्ति के घर बैठ कर आग सेंक रहे थे। जाफर का आरोप है कि इस दौरान चौराहे पर ही रहने वाले अधिवक्ता के परिवार के जगदंबा की पत्नी प्रेमा पहुंच कर पुरानी रंजिश गाली देने लगीं। विवाद की सूचना पर बेटा पवन आ रहा था तभी रास्ते में घेर कर जगदंबा और उसके परिवार के लोग लाठी–डंडे से पीटने लगे। यह देख बचाव में गया तो उनलोगों ने उन्हें भी पीट दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने अधिवक्ता और परिवार के तीन सदस्यों का हिरासत में ले लिया। पीड़ित परिवार के घायलों को मेडिकल के लिए भेजा। जाफर गुप्ता का आरोप है कि उनके चौराहे पर स्थित मकान को आरोपी अवैध रूप से कब्जा कर लिए थे। शिकायत पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और एसडीएम सदर ने जांच के बाद राजस्व विभाग की टीम भेज कर पुलिस की मौजूदगी में मकान को कब्जे से मुक्त कराकर उन्हें सौंप दिया। इसके बाद से ही ये लोग विवाद कर रहे हैं। वहीं अधिवक्ता पक्ष का कहना है कि पुलिस लगातार एक पक्ष की तरफ से मिलकर कार्रवाई कर रही है। इधर, देर शाम मारपीट के आरोप में अधिवक्ता समेत चार लोगों को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

एशियन स्कूल चेस चैंपियनशिप में गोरखपुर के कुशाग्र ने जीता कांस्य

गोरखपुर ,(संवाददाता)। एशियन स्कूल चेस चौंपियनशिप का आयोजन तीन से 10 दिसंबर तक बैंकॉक, थाईलैंड में हुआ। इसमें गोरखपुर के अंतरराष्ट्रीय रेटेड शतरंज खिलाड़ी कुशाग्र अग्रवाल ने अंडर–7 आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर चार अंक बनाकर टीम इंडिया के लिए कांस्य पदक जीत लिया। कुशाग्र ने अपने विजय अभियान में हमवतन अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ी देवांश दर्पण पटेल को शिकस्त देने के साथ गुआम के वांग ट्रेविस, म्यांमार के हतू ओकर लविन और सिंगापुर के रथ सूर्य राव को हराया। कुशाग्र को तराशने वाले शतरंज प्रशिक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी शतरंज यात्रा का यह एक सकारात्मक पड़ाव मात्र है। एशियन चौंपियनशिप में 32 फेडरेशन के शतरंज खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे थे। अपने अंतिम चक्र में विजय हासिल कर कुशाग्र ने अंडर 7 आयु वर्ग में टीम इंडिया के अन्य दो खिलाड़ियों तक्षकनाथ आनंद एवं देव नारायणन कलियाथ के साथ कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने बताया कि कुशाग्र गहन तकनीक के अध्ययन के साथ भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसके पूर्व उन्होंने भारत के सबसे कम उम्र के फिडे रेटेड खिलाड़ी बनने का गौरव भी हासिल किया था। हाल ही में बंगाल के अनिस सरकार ने मात्र तीन वर्ष में यह उपलब्धि अपने नाम कर ली। कुशाग्र की इस उपलब्धि मां सिल्की अग्रवाल, पिता आशीष अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त किया। गोरखपुर जिला शतरंज संघ के सचिव जितेंद्र सिंह, अध्यक्ष सैयद नौशाद अली सब्जपोश, पुष्पदंत जैन, एसके मिश्र, एसए रहमान, मांधाता सिंह, कनक हरि अग्रवाल, मिथिलेश श्रीवास्तव, नितेश, विनय जायसवाल, अमितेश आनंद आदि ने बधाई दी।

स्पर्श एकेडमी में स्पोर्ट्स अवॉर्ड सेरेमनी का भव्य आयोजन

धरती पूर्वांचल की परतावल बाजार

महाराजगंज । स्पर्श एकेडमी स्कूल में स्पोर्ट्स अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस समारोह में खो–खो, कबड्डी, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, लांग जंप, टग ऑफ वॉर, बिस्किट रेस और म्यूजिकल चेयर जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध डॉक्टर और स्पर्श स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष डॉ सदाशिव जोशी ने बच्चों को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए सर्टिफिकेट प्रदान किए। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहने और निरंतर प्रयास करते

रहने के लिए प्रेरित किया। इस खास मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कई प्रतिष्ठित डॉक्टरों और अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अवॉर्ड प्रदान किए। इनमें डॉ. सदाशिव जोशी, डॉ. विभव कुमार सिंह, डॉ. हिमांशु सिंह, डॉ. डब्ल्यू. रहमान, डॉ. पंकज आर्या, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. आखिल गुप्ता, डॉ. शालिनी जोशी, बबीता सिंह, शशि सिंह, निर्मला सिंह, और नीलम मिश्रा शामिल थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना था। अतिथियों ने बच्चों को खेलों में भागीदारी के महत्व और टीम वर्क की भावना को समझाया। स्पर्श एकेडमी स्कूल के प्रबंधन और शिक्षकों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किए। यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

भालोटिया मार्केट में ड्रग इंस्पेक्टर से भिड़े व्यापारी ने मनमानी का आरोप लगाकर घेरा

गोरखपुर ,(संवाददाता) भालोटिया मार्केट में बृहस्पतिवार को लाइसेंस की जांच करने पहुंचे ड्रग इंस्पेक्टर से व्यापारी भिड़ गए। इंस्पेक्टर पर मनमानी का आरोप लगाते हुए व्यापारियों ने हंगामा शुरू कर दिया। आरोप है कि ड्रग इंस्पेक्टर के साथ आए कर्मचारियों ने दवा व्यापारियों को धमकी दी। दवा विक्रेता समिति के पदाधिकारियों ने इंस्पेक्टर को घेर लिया। हंगामे से काफी देर तक गहमागहमी बनी रही। भालोटिया मार्केट के एसएम कॉम्प्लेक्स में स्थित सीमा हेल्थ केयर नाम से फॉर्म है। इसके संचालक की गंभीर बीमारी से मौत हो गई। इसकी वजह से नए सिरे से ड्रग लाइसेंस बनवाया जा रहा है। इसमें मृत व्यापारी की पत्नी सीमा अग्रवाल व बहू वर्षा अग्रवाल के नाम से लाइसेंस ट्रांसफर होना है। फर्म का नाम बदल रहा है। मामले की जांच के लिए बृहस्पतिवार को ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार और कर्मचारी मोहन तिवारी भालोटिया बाजार पहुंचे थे। दवा व्यापारियों का आरोप है कि ड्रग इंस्पेक्टर बेवजह आवेदन में खामियां निकल रहे थे। जबकि आवेदक को ड्रग इंस्पेक्टर के वरिष्ठ अधिकारी ने मानकों पर पूरा पाया था। यहीं से बात बिगड़ने लगी। दवा विक्रेता समिति के अध्यक्ष योगेंद्र नाथ दुबे व महामंत्री आलोक चौरसिया का आरोप है कि ड्रग इंस्पेक्टर मनमानी पर उतर गए हैं। पिछले चार महीने से ड्रग इंस्पेक्टर से मुलाकात करने की कोशिश की जा रही है। वह दवा व्यापारियों से मिलने से हिचक रहे हैं। वह परेशान करने के लिए लाइसेंस के मानकों में परिवर्तन कर रहे हैं। महामंत्री ने आरोप लगाया कि ड्रग विभाग के एक कर्मचारी ने धमकी दी है। यह धमकी ड्रग इंस्पेक्टर और दवा व्यापारियों के सामने दी गई है। व्यापारी नेताओं ने ड्रग इंस्पेक्टर से बातचीत की, इसके बाद मामला शांत हुआ। भालोटिया मार्केट में किसी तरह का विवाद नहीं है। फर्म के लाइसेंस का आवेदन मिला था जिसमें कुछ खामियां थीं। आवेदन में दी गई तस्वीर और मौके पर जांच में कुछ अंतर मिला। इसी को पूछने पर व्यापारी नाराज हुए थे। अब मामला सुलझा लिया गया है।

पत्नी से झगड़े के बाद फंदे से लटककर युवक ने दी जान

गोरखपुर ,(संवाददाता) झुंगिया बाजार में किराए के घर में रहने वाले पति ने पत्नी से झगड़े के बाद फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बेलघाट थाना क्षेत्र के गौरगंज निवासी मनोज (35) की शराब पीने की आदत की वजह से पत्नी पूजा से हर दिन झगड़ा होता था। परेशान होकर पूजा दो बच्चों के साथ गुलरिहा के झुंगिया स्थित मायके चली गई। गलती का अहसास होने पर मनोज भी वहां पहुंचा और झुंगियां कस्बे में ही किराए का कमरा लेकर पत्नी और बच्चों के साथ रहने लगा। दिन भर ऑटो चलाने के बाद रात में शराब पीकर आने लगा। बुधवार रात नशे में पत्नी और बच्चों को पीटने लगा। इसके बाद पत्नी पूजा फिर मायके चली गई। बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे के आसपास पूजा बच्चों को स्कूल छोड़कर पति के पास कमरे पर आई। कमरा अंदर से बंद था, खुलवाने पर नहीं खुला तो शोर मचाया। आस–पास के लोग दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो मनोज पंखे के सहारे फंदे से लटक रहा था।

नेहरू चिकित्सालय में छत का प्लास्टर डॉक्टर पर गिरा

गोरखपुर ,(संवाददाता) बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरू चिकित्सालय के वार्ड नंबर 15 के पास बृहस्पतिवार दोपहर में छत का प्लास्टर उपर गिरने से डॉ. वाणी आदित्या घायल हो गईं। उनके सिर में आठ टांके लगाए गए हैं। फिलहाल हालत सामान्य है। बताया जा रहा है कि नेहरू चिकित्सालय का भवन काफी पुराना हो चुका है। भवन के कई हिस्से जर्जर हैं। इसके बाद भी इसका संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज का नेहरू चिकित्सालय पुराना होने के कारण अक्सर छत के प्लास्टर टूट कर गिरते रहते हैं। वार्ड नंबर 15 के पास की छत को टिकाने के लिए दोनों तरफ से लोहे के पिलर का सहारा दिया गया है। लोहे के पतले पाइपों को रस्सी से बांधकर पिलर बनाए गए हैं। इसके भरोसे छत को टिकाया गया है। छत के जोड़ पर भी दरारें दिखायी दे रही हैं। यह स्थिति ग्राउंड फ्लोर के साथ ही पहले फ्लोर पर भी है। रैंप के सहारे मरीजों को वार्डों में ले जाया जाता है। कुछ दिन पहले एक पाइप के गिरने के कारण भर्ती मरीज के साथ आए हुए तीमारदार के सिर पर चोट लग गई थी। अस्पताल में कई स्थानों पर पानी के लीकेज के साथ ही प्लास्टर भी उखड़ गए हैं। इधर, बृहस्पतिवार को दोपहर के समय वार्ड नंबर 15 के पास से गुजरते समय स्त्री एवं प्रसूति विभाग की वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. वाणी आदित्या पर अचानक छत का प्लास्टर सिर पर गिर गया। इसमें वह घायल हो गईं। उनका तत्काल इलाज किया गया। डॉक्टर के सिर में आठ टांके भी लगाए गए। डॉक्टर की हालत अभी सामान्य है। भवन की स्थिति से संबंधित प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। शासन की तरफ यूपीसीएल को इस कार्य की जिम्मेदारी के लिए नामित किया गया है।

60 लीटर कच्ची शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गोरखपुर ,(संवाददाता) गुलरिहा पुलिस ने बृहस्पतिवार को चार पहिया वाहन से घूम–घूम कर कच्ची शराब की तस्करी करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 60 लीटर कच्ची शराब भी बरामद हुई। पूछताछ में दोनों की पहचान झंगहा थाना क्षेत्र के राजी जगदीशपुर निवासी कृष्णकांत जायसवाल और रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी ओमकार साहनी के रूप में हुई। दोनों के विरुद्ध केस दर्ज करते हुए पुलिस ने न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि गुलरिहा पुलिस बनगाईं के पास सड़क किनारे वाहनों की जांच कर रही थी। इसी बीच एक ब्रेजा आती दिखी। पुलिस ने चालक को रुकने के लिए कहा तो वह कार मोड़कर भागने लगा। पीछा कर पुलिस ने कार समेत दो युवकों को पकड़ा। तलाशी के दौरान कार से 60 लीटर कच्ची शराब, दो किलो यूरिया, दो किलो नौसादर बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों तस्करों ने बताया कि वह आसपास के क्षेत्र में बाहर से कच्ची शराब लाकर अलग–अलग जगहों पर बेचते थे।

डीएम ने रैन बसेरों में महिला सुरक्षाकर्मी तैनाती के दिए निर्देश

बहराइच,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बुधवार की रात डीएम मोनिका रानी ने शहर में संचालित रैन बसेरों का औचक निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान डीएम ने सुरक्षा के लिए महिला सुरक्षाकर्मियों की तैनाती, गद्दों के नीचे पुआल डालने, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए निर्देशित किया। डीएम सबसे पहले रोडवेज स्थित रैन बसेरा पहुंची। निरीक्षण के दौरान रैन बसेरे में प्रकाश के बेहतर इंतजाम न मिलने पर डीएम ने इसे सही करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही महिला कक्ष में महिला सुरक्षा कर्मी की ड्यूटी लगाए जाने का आदेश दिया। रेलवे स्टेशन पर स्थापित रैन बसेरे के निरीक्षण के दौरान डीएम ने ईओ प्रमिता सिंह को इंसुलेशन के लिए गद्दों के नीचे पुआल बिछवाने का निर्देश दिया। साथ ही रैन बसेरे के बाहर रैन बसेरे का बोर्ड लगवाने का आदेश दिया। डीएम ने मेंडिकल कॉलेज में स्थापित रैन बसेरे का

भी निरीक्षण किया। इस दौरान तहसीलदार सदर अनिरूद्ध कुमार यादव, नायब तहसीलदार सुरेन्द्र प्रसाद यादव मौजूद रहे।

बहराइच–बनारस इंटरसिटी न चलने से यात्री परेशान

बहराइच,(संवाददाता)। आकांक्षात्मक जिलों की सूची में शामिल बहराइच में अभी भी परिवहन सेवाओं का टोटा है। रेल सेवाओं को बढ़ाने के लिए गोरखपुर के लिए ट्रेन सेवा शुरू की गई जो खस्ताहाल है। वहीं बनारस जाने वाली इंटरसिटी ट्रेन एक दिसंबर से निरस्त चल रही है। इससे दैनिक रेल यात्रियों, तीर्थस्थलों को जाने वाले श्रद्धालुओं व व्यापारियों को परेशान होना पड़ रहा है। रेल सेवाओं का विस्तार किए जाने के उद्देश्य से बहराइच से बनारस तक अगस्त 2022 में इंटरसिटी ट्रेन का संचालन शुरू कराया गया था। इस ट्रेन के चलने से यात्रियों को काफी सहूलियत मिली थी लेकिन ये ट्रेन आए दिन निरस्त रहती है। यात्रियों का कहना है कि ट्रेन न चलने से डग्गामार वाहन चालक यात्रियों से निर्धारित किराए की जगह ज्यादा किराया वसूल रहे हैं। शहर निवासी व्यापारी शिवम गुप्ता ने बताया कि वे व्यापार के सिलसिले से अक्सर बनारस आते–जाते हैं। ट्रेन बंद हो जाने से बस से सफर करना पड़ रहा है। डग्गामार वाहन चालक मोटी कमाई के लिए यात्रियों को बसों व छोटे वाहनों में भूसे की तरह भरते हैं। यातायात निरीक्षक सुधीर कुमार मल्ल ने बताया कि प्रतिदिन चार अप व चार डाउन गाड़ियां चल रही हैं। इनमें तीन बहराइच–गोडा अप व डाउन चलती है। एक गाड़ी बहराइच से गोरखपुर तक चल रही है। इन ट्रेनों से 24 घंटे में लगभग 2500 यात्री सफर करते हैं। मुझे हैदराबाद जाना है। तीन बार टिकट बुक कराने के लिए आ चुके हैं। बुकिंग नहीं पाई है। चौथी बार आया हूं। बताया जा रहा है नेटवर्क की गड़बड़ी है। हैदराबाद जाने के लिए टिकट बुक कराने आए हैं। 11 बजे के बाद टिकट बुक कराने में परेशानी होती है। गांव दूर होने की वजह से ठंड में बहराइच पहुंचने में देर हो जाती है। अभी बुकिंग नहीं हो पा रही है। बनारस इंटरसिटी आए दिन रद कर दी जाती है। इससे दैनिक रेल यात्रियों को बड़ी परेशानी होती है। ट्रेन न चलने से डग्गामार वाहन चालक यात्रियों से ज्यादा किराया वसूल रहे हैं। बहराइच से गोरखपुर के लिए सिर्फ एक ट्रेन चल रही है। यदि ट्रेन की संख्या बढ़ा दी जाए, तो यात्रा और आसान हो जाएगी। ट्रेन बढ़ने से रेलवे के राजस्व में बढ़ावा मिलेगा। कोहरे के चलते बनारस इंटरसिटी ट्रेन बंद की गई है। एक मार्च से इस ट्रेन का संचालन शुरू किया जाएगा। यात्रियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

रोड को जल्द से जल्द बनवाने के लिए शासन से मांग

धरती पूर्वांचल की परतावल बाजार महाराजगंज ग्राम सभा बनकटिया में बने स्पर्श एकेडमी स्कूल जो परतावल , पुरैना मार्ग से निकलने वाली सड़क जो स्पर्श एकेडमी स्कूल की तरफ निकला हुआ है वह पहले 10 कड़ी की चक नाली थी जिसे लोग चकरोड के रूप में आने जाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। और उस चकरोड की कटान इतनी जबरदस्त हो गई कि स्कूल में आने जाने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को असुविधा होती है । वर्षा के मौसम में बच्चों को पानी में गिरने से बड़ी हादसा होने की संभावना बनी रहती है । स्पर्श एकेडमी के प्रबंधक ने बताया कि जब स्कूल बन रहा था तो यहां 10 कड़ी का चकरोड था किंतु विगत 3 वर्षों में वह 10 कड़ी का चकरोड मात्र दो से तीन कड़ी ही बचा हुआ है इस संदर्भ में ग्राम प्रधान से उनकी बात हुई है

प्रधान ने कहा है कि इस मामले को जल्दी ही सुलझा लिया जाएगा । स्पर्श एकेडमी में अपने बच्चों को पढ़ाने वाले अभिभावकों ने भी इस रोड को जल्द से जल्द बनवाने के लिए शासन से मांग की है।

सड़क खराब राहगीर परेशान

धरती पूर्वांचल की परतावल बाजार महाराजगंज परतावल मंडी के सामने से बभनौली के लिए मार्ग निकला है जो खराब वह जर्जर होने के कारण इस मार्ग पर राहगीरों का चलना बहुत मुश्किल हो गया है इस मार्ग पर जगह–जगह गिट्टी और गड्ढे बने हुए हैं जिससे किसी भी समय दुर्घटना घटने की संभावना बनी हुई है इस मार्ग से कई गांव जुड़े हुए हैं बभनौली, मुराली चौराहा चन्दरपुर,नेवाजीवारी , बसहिया बुजुर्ग के गांव के लोगों का आना जाना इसी मार्ग से रहता है क्षेत्र की जनता ने इस मार्ग को जल्द से जल्द बनवाने की मांग की है

नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी में तीन वर्ष का कारावास

बहराइच,(संवाददाता)। थाना हरदी के जंगुपुरवा बंजरिया गांव निवासी दोषी को नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ के आरोप में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो की कोर्ट ने तीन वर्ष के कारोवास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अभियुक्त को 14 हजार के अर्थदंड से दंडित भी किया है। थाना हरदी के एक गांव निवासी भाई ने 29 अगस्त 2015 को थाने पर तहरीर दी थी। तहरीर में पीड़ित भाई ने कहा था कि उसकी नाबालिग 15 वर्षीय बहन 27 अगस्त 2015 को खेत की निराई करने के लिए जा रही थी। रास्ते में थाना क्षेत्र के जंगुपुरवा बंजरिया गांव निवासी हैदर ने बहन का हाथ पकड़कर जबरन खेत में खींचने लगा। बहन के शोर मचाने पर आसपास गांव के लोग एकत्रित हो गए। इस दौरान हैदर चाकू से बहन पर हमला कर धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़ित भाई ने थाने के एसओ से हमलावर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गुहार लगाई थी।

17 केंद्रों पर 22 को होगी पीसीएस की परीक्षा

बस्ती,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के अधीन पीसीएस परीक्षा 22 दिसंबर को होगी। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिले में 17 केंद्रों पर यह परीक्षा कराई जानी है। दो पालियों में होने वाली इस परीक्षा में 6624 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और सह केंद्र व्यवस्थापक की तैनाती की गई है। आंतरित, वाह्य कक्ष निरीक्षक के रूप में राजकीय, सहायता प्राप्त शिक्षक, शिक्षिकाओं की ही ड्यूटी परीक्षा में लगाई जाएगी। सभी का फोटोयुक्त पहचान पत्र बनाया जाएगा। प्रत्येक कक्ष में 24 से 48 परीक्षार्थी ही बैठ सकेंगे। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9रू30 से 11 बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2रू30 से 4रू30 बजे तक होगी। अभ्यर्थियों का केंद्र पर बॉयोमीट्रिक आईरिश स्कैनिंग करने के बाद ही प्रवेश मिलेगा। इसीलिए परीक्षा शुरू होने से 45 मिनट पहले केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य किया गया है। इसके बाद पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र, दो फोटो एवं आईडी प्रूफ की मूल एवं छायाप्रति लेकर आना अनिवार्य होगा। दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 40 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। बैग एवं मोबाइल के रख–रखाव की व्यवस्था गेट के बाहर कराई जाएगी। परीक्षा के एक दिन पूर्व ही सीट प्लान व्यवस्थित कर लेने का निर्देश दिया गया हैं। सकुशल परीक्षा निपटाने के लिए केंद्र व्यवस्थापक, सह व्यवस्थापक, परीक्षा सहायक और कक्ष निरीक्षकों के तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, महिला महाविद्यालय, एपीएन पीजी कालेज, शिवहर्ष किसान डिग्री कालेज, शिवहर्ष इंटर कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज, खैर इंटर कॉलेज, श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज, जीआरएस इंटर कॉलेज, देशराज इंटर कॉलेज वॉल्टरगंज, हंसराज इंटर कॉलेज गनेशपुर, जनता इंटर कॉलेज नगर बाजार, किसान इंटर कॉलेज मरहा कटया, इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज कप्तानगंज, औद्योगिक इंटर कॉलेज बिरहा, गन्ना इंटर कॉलेज मुंडेरवा विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। पीसीएस परीक्षा के लिए जिले में 17 केंद्र बनाए जा चुके हैं। आयोग के निर्देश के अनुसार अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था और सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की जा रही है।

बोर्ड परीक्षा के लिए बनेगा कंट्रोल रूम 12 कंप्यूटर से होगी 124 केंद्रों की निगरानी

बस्ती,(संवाददाता)। बोर्ड परीक्षा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा 24 फरवरी से प्रारंभ होने वाली है। परिषद ने ऑनलाइन 124 केंद्रों के निर्धारण के बाद अंतिम सूची भी जारी कर दी है। इसके बाद विभाग शुचितापूर्ण परीक्षा कराने के लिए अभी से तैयारियों में जुट गया है। प्रत्येक केंद्र के प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरे और वॉयस रिकॉर्डर की व्यवस्था होगी। निगरानी के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। सभी केंद्र वाईफाई सुविधा लैस किए जाएंगे। परीक्षा की निगरानी के लिए सचल दल के अलावा ऑनलाइन व्यवस्था भी बनाई जाएगी। डीआईओएस कार्यालय के हॉल में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी। यह वाईफाई से लैस 12 कंप्यूटर लगाए जाएंगे। प्रत्येक कंप्यूटर से 10 से 11 परीक्षा केंद्र सीधे जुड़े रहेंगे। कंट्रोल रूम से ही परीक्षा के दौरान मॉनीटरिंग की जाएगी। यदि कहीं कोई आपत्तिजनक स्थिति पाई गई तो कंट्रोल रूम से तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दी जाएगी। इसके बाद संबंधित केंद्र पर विभागीय एवं प्रशासनिक टीम दस्तक देगी। इस व्यवस्था के संचालन के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र को सीसीटीवी कैमरों से लैस होना अनिवार्य किया गया है। डीआईओएस जगदीश प्रसाद शुक्ल के निर्देश पर 13 दिसंबर से उनके कार्यालय में प्रत्येक दिन दस केंद्राध्यक्षों के साथ बैठक होगी। इसमें केंद्र और जिला स्तर पर बनाए जाने वाले स्ट्रांग रूम, केंद्र प्रशासनिक कक्ष की व्यवस्था, चहारदीवारी, बिजली, वाईफाई, सीसीटीवी कैमरा, वॉयस रिकॉर्डर आदि बिंदुओं पर रिपोर्ट ली जाएगी। 12 दिनों के भीतर बैठक की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद विभागीय टीम प्रत्येक केंद्र पर दस्तक देना शुरू करेगी। इस दौरान अनिवार्य सुविधाओं की जांच भी होगी। यदि त्रुटियां कहीं मिलेंगी तो उसे दूर भी कराया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा 24 फरवरी से शुरू होगी। यह 12 मार्च तक चलेगी। इस बार हाई स्कूल में 39,466 तथा इंटरमीडिएट में 38,082 सहित कुल 77,548 परीक्षार्थी पंजीकृत है। इनके लिए कुल 124 केंद्र बनाए गए हैं। जबकि, पिछले वर्ष 2024 में परीक्षा केंद्रों की संख्या 120 रखी गई थी। उस समय हाईस्कूल में 42,196 तथा इंटरमीडिएट में 33,829 परीक्षार्थी पंजीकृत रहे। शुचितापूर्ण परीक्षा कराने के लिए अभी तैयारियां शुरू कर दी गई है। सभी केंद्राध्यक्ष को निर्देश दिए गए हैं कि आवश्यक सुविधाएं अनिवार्य रूप से की जाए।

तीन स्थानों पर बनेंगे इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन

गोरखपुर,(संवाददाता)। शहर में तीन स्थानों पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इसका निर्माण अब शासन स्तर से होगा। इसके लिए नगर निगम ने चिन्हित भूमि का ब्योरा शासन को उपलब्ध करा दिया है। जल्द ही शासन स्तर से सभी नगर निगम क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशन के निर्माण के लिए फर्म का चयन किया जाएगा। पहले नगर निगम प्रशासन खुद इसका निर्माण

कराने वाला था। इसके लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) भी आमंत्रित कर लिया गया था। तेजी से बढ़ रहे इलेक्ट्रिक वाहनों को देखते हुए नगर निगम ने दो माह पहले महानगर में तीन स्थानों पर पब्लिक चार्जिंग स्टेशन बनाने का निर्णय किया था। इसी क्रम में गुलरिहा, गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव आवास के सटे पूरब में और हुमायूंपुर में नगर निगम ने एक–एक हजार वर्ग मीटर जमीन भी चिन्हित की गई थी। इन चार्जिंग स्टेशन पर स्लो, माडरेट और फास्ट चार्जर की सुविधा प्रस्तावित थी। इसके अलावा बैटरी स्वैपिंग स्टेशन का भी निर्माण किया जाना था। यहां यह भी सुविधा देने का निर्णय हुआ था कि कोई भी इलेक्ट्रिक वाहन चालक अपनी डिस्चार्ज की गई बैटरी या आंशिक रूप से डिस्चार्ज की गई बैटरी को चार्ज की गई बैटरी से बदल सके। अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह ने बताया कि जल्द ही शासन स्तर से सभी नगर निगम क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशन के निर्माण के लिए फर्म का चयन किया जाएगा।

जल निगम में बाबू बनना देंगे, 8 लाख रुपये लगेंगे...दो युवकों से 4–4 लाख रुपये ठगे

गोरखपुर,(संवाददाता)। जल निगम में बाबू की नौकरी देने के नाम पर महाराजगंज के दो लोगों से आठ लाख रुपये की जालसाजी का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर महाराजगंज के परसामीर सिंदुरिया निवासी रामकृपाल की तहरीर पर बृहस्पतिवार को कोतवाली थाना में छोटे काजीपुर निवासी मिथिलेश सिंह पर पुलिस ने जालसाजी का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। रामकृपाल ने तहरीर में बताया कि बेलघाट कटैया बाजार निवासी सुभाष चौधरी के घर एक समारोह में अपने मित्र रजनीश कुमार के साथ गया था। वहां पर मिथिलेश सिंह से मुलाकात हुई। आरोप लगाया है कि मिथिलेश ने मुझे और मित्र रजनीश को उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण विभाग गोरखपुर में 15 दिन के अंदर बाबू की नौकरी दिलाने का विश्वास दिलाया। इसके बदले दोनों से पांच–पांच लाख रुपये मांगे। बातचीत के बाद चार–चार लाख रुपये दोनों ने दे दिए। बाद में फर्जी नियुक्ति पत्र व्हाट्सएप पर भेज दिया। बाद में फर्जीवाड़ा साबित होने पर आरोपी से रुपये मांगे तो जान से मारने की धमकी देने लगा। पुलिस से शिकायत की तो केस दर्ज नहीं किया गया। कोर्ट की शरण में गया। कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने केस दर्ज किया।

सीलिंग की भूमि पर लहलहा रही गेहूं की फसल

गोरखपुर,(संवाददाता)। क्षेत्र के सेमरहना (बरगदही) गांव स्थित सीलिंग की भूमि को कुछ लोगों ने बैनामा कराकर अवैध तरीके से कब्जा कर लिया था। मामले में शिकायत के बाद राजस्व विभाग ने सीलिंग की भूमि खरीदने वालों का नाम खतौनी से हटाकर भूमि की पैमाइश कर चारों तरफ से लाल झंडी लगा दिया था, लेकिन तहसील के ही कुछ जिम्मेदारों की लापरवाही का फायदा उठाकर कुछ भू माफिया झंडी उखाड़कर गेहूं की फसल बो दिए हैं। इस मामले में एसडीएम की ओर से भू माफिया के खिलाफ तत्काल कार्रवाई कराने के लिए निर्देश दिया गया था, लेकिन माफिया के खिलाफ 15 दिनों बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। क्षेत्र पंचायत सदस्य पूनम गुप्ता ने उच्चाधिकारियों से शिकायत कर बताया था कि गांव सेमरहना से संबंधित एक वाद राज्य सरकार बनाम नरसिंह मणि त्रिपाठी सीलिंग एक्ट के अंतर्गत अपर जिलाधिकारी न्यायालय में चल रहा था। उक्त न्यायालय में 28 मार्च 2023 को वाद की सुनवाई करते हुए भूमि को अतिरिक्त घोषित कर दी गई थी। इन्होंने आगे कहा कि सीलिंग की कुल भूमि 39.55 एकड़ में से 20.27 एकड़ भूमि कई खातेदारों को आवंटन कर दिया गया है। जबकि अभी भी गाटा संख्या 544 और 287 में 19.28 एकड़ सीलिंग भूमि बची हुई थी, लेकिन उक्त गाटा संख्या की सीलिंग भूमि को माफिया कब्जा कर लिए थे। वहीं मामले की शिकायत के आधार पर जांच कर रिपोर्ट के आधार पर रजिस्ट्रार कानूनगो मनोज कुमार श्रीवास्तव की ओर से 16 नवंबर को आदेश जारी करते हुए सीलिंग भूमि की खतौनी से खरीदारों का नाम हटा दिया गया। उसके बाद राजस्व विभाग की टीम में शामिल राजस्व निरीक्षक मनीष पटेल, लेखपाल अनिल सिंह, भारतेंदु मिश्रा और कमलेश कुमार शर्मा मौके पर पहुंच सीलिंग भूमि की पैमाइश कर चारों तरफ से लाल झंडा लगा सीलिंग भूमि को कब्जा मुक्त करा दी, लेकिन विभाग के जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते भू माफिया ने सीलिंग की भूमि के चारों तरफ लगे लाल झंडी को उखाड़कर जबरन कब्जा कर गेहूं की फसल लगा दिए। इस मामले में शिकायतकर्ता ने एसडीएम को सूचना दी। सूचना के बाद सीलिंग की भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसडीएम ने तहसीलदार को निर्देशित किया, लेकिन 15 दिनों बाद भी तहसीलदार की ओर से भू माफिया के खिलाफ कोई कार्रवाई करने की पहल नहीं की गई। ऐसे में लोग तहसील के जिम्मेदारों के कार्य पर कई तरह के सवाल उठाने लगे हैं। एसडीएम शैलेंद्र गौतम ने बताया कि मामले में सीलिंग की भूमि पर लगे झंडी को उखाड़ कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया गया है। मामले में अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इसकी जानकारी तहसीलदार से लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन अंतरजनपदी, चोर अरेस्ट, एक बदमाश को लगी गोली, तमंचा और नकदी बरामद

वाराणसी,(एजेंसी)। जौनपुर के जलालपुर व नेवढ़िया की संयुक्त पुलिस टीम के साथ पुरेव नहर पुलिया के पास बीती की रात हुई मुठभेड़ में अंतरजनपदीय तीन चोर गिरफ्तार कर लिए गए। मुठभेड़ के दौरान एक चोर के पैर में गोली लगी है। उनके पास से एक तमंचा, एक खोखा, एक कारतूस, 30 हजार रुपये नकद व चोरी के उपकरण बरामद किए गए। प्रभारी निरीक्षक जलालपुर घनानंद त्रिपाठी अपने टीम के साथ गस्त पर महरेव बाजार में मौजूद थे। उसी दौरान थानाध्यक्ष नेवढ़िया अमित कुमार पांडेय अपनी टीम के साथ मिल गए। इसी समय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई, जिसके आधार पर पुरेव नहर पुलिया के पास पुलिस टीम पहुंची। जहां शीशम के पेड़ के नीचे तीन व्यक्ति चोरी की योजना बना रहे थे, जो पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा उन्हें रुकने के लिए चेतावनी दी गई तो एक बदमाश ने जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर लक्ष्य करके फायर कर दिया। जवाबी कार्यवाही में अपने और पुलिस बल की आत्मरक्षा के लिए प्रभारी निरीक्षक घनानंद त्रिपाठी द्वारा बदमाश के पैर में लक्ष्य करके फायर किया गया। मुठभेड़ में बदमाश राजू बनवासी निवासी पुरैनी निकट पड़री बाजार थाना चुनार मिर्जापुर घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा, जिसे जीवन रक्षा के लिए मौके से चिकित्सालय भेजा गया। उसके अन्य दो साथी अशोक बनवासी निवासी बरहीकला थाना फुलपुर, वाराणसी, बंशीलाल निवासी नेवढ़िया बाजार, थाना नेवढ़िया, जौनपुर को भी घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़े गए दोनों अभियुक्तों को भी विभिन्न चोरियों के शेष बचे रुपये के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से चोरी करने के उपकरण भी बरामद किए गए। गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में अभियुक्तों के खिलाफ समुचित धाराओं में मुकदमा दर्जकर विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान चोरी के उपकरण में एक रम्मा, एक हथौड़ा, एक रेती, एक पिलास, एक सूम्मी व एक प्लास्टिक का टार्च, एक कीपैड मोबाइल बरामद किया गया। राजू बनवासी पर दो, अशोक बनवासी पर दो, बंशीलाल पर दो मुकदमें दर्ज हैं।

बहू का कोर्ट में बयान दर्ज कराने जा रहे थे ससुर- मनबढ़ों ने गाड़ी से रौंदा

गोरखपुर,(संवाददाता)। गोला–कौड़ीराम मार्ग पर गगहा इलाके के देवकली गांव के पास शुक्रवार सुबह गोला के धौरहरा निवासी झिनकू दुबे (62) की मौत हो गई। बहू गुड़िया ने स्कार्पियो से कुचलकर फिर पीट–पीट कर हत्या का आरोप लगाया है। आरोप है कि स्कार्पियो से आए मनबढ़ों ने बाइक सवार झिनकू दुबे और उनकी बहू को कुचलने का प्रयास किया। ठोकर लगने से दोनों नीचे गिर गए तो गाड़ी से निकले चार लोगों ने रॉड और डंडे से झिनकू को पीटा। बहू ने खेतों में भागकर जान बचाई। घायल अवस्था में लाए गए झिनकू को मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले में बहू गुड़िया की तहरीर पर प्रधान रामेश्वर दुबे, उनके दोनों भाई और दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। इधर, पुलिस के पास पहले हादसे में मौत की सूचना आई। मौके पर पहुंचकर एसपी साउथ जितेंद्र कुमार छानबीन की। घटनास्थल के आस–पास के सीसीटीवी कैमरे खंगालने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की। एसपी साउथ ने बताया कि हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। गोला थाना क्षेत्र के धौरहरा निवासी झिनकू दुबे शुक्रवार सुबह 10 बजे बहू के साथ बाइक से गोरखपुर जा रहे थे। वह बहू का मजिस्ट्रेट के सामने 164 का बयान दर्ज कराने जा रहे थे। परिवार वालों ने बताया कि वह गोला–कौड़ीराम रोड स्थिति देवकली गांव के पास पहुंचे थे कि एक स्कार्पियो सवार ने झिनकू दुबे की बाइक में ठोकर दी। बाइक, स्कार्पियो में फंस गई और उस पर सवार झिनकू और उनकी बहू दोनों नीचे गिर गए। आरोप है कि चार लोग रॉड और डंडा लेकर बाहर निकले और झिनकू दुबे की पिटाई शुरू कर दी। यह सब देखकर अगल–बगल खेत में काम कर रहे लोग बचाने के लिए दौड़े तब स्कर्पियो सवार फरार हो गए। घायल झिनकू को उनके परिजन मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि धौरहरा निवासी झिनकू दुबे और वर्तमान ग्राम प्रधान रामेश्वर दुबे के बीच रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद है। इसमें दीपावली के दिन ग्राम प्रधान के भाइयों ने झिनकू दुबे को पीट दिया था। झिनकू ने तहरीर थाने में देकर केस दर्ज कराया था। कुछ दिन बीत जाने के बाद झिनकू ने प्रधान रामेश्वर दुबे के पिता को पीट दिया। तहरीर थाने में पड़ी और केस दर्ज कराया गया था। यहीं से दोनों परिवार में तनाव हो गया। गांव के लोगों ने बताया कि झिनकू दुबे अपनी बहू को लेकर गोरखपुर अपने केस में 164 का बयान दर्ज कराने जा रहे थे, तभी घटना हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जिस स्कार्पियो से वारदात की गई, उस पर ग्राम प्रधान रामेश्वर दुबे का पोस्टर लगा था। झिनकू दुबे तीन बच्चों के पिता थे। सभी का विवाह हो चुका है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव के प्रधान रामेश्वर दुबे ने बताया कि वह सात दिसंबर से घर से बाहर हैं। तीन दिन मुंबई में रहे और 11 दिसंबर को सूरत चले गए। 12 दिसंबर से अहमदाबाद में हैं। जिस स्कार्पियो से घटना बताई जा रही है, वह उनके पिता विजय शंकर दुबे के नाम से है। गाड़ी घर पर खड़ी थी। सुबह फोन से सूचना मिली कि गाड़ी दरवाजे पर नहीं है। अपने एक रिश्तेदार को फोन कर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए कहा था। नौ बजे फोन से सूचना मिली कि गाड़ी से हादसा हो गया है। घटना से उनका कुछ लेना–देना नहीं है। मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस पर शुक्रवार शाम को परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद एसपी साउथ ने परिवार को केस दर्ज करने का आश्वासन देकर शांत कराया। इसके बाद आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया गया। इधर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद दोनों हाथ पैर टूटने की पुष्टि हुई। मौत का कारण स्पष्ट न होने के कारण हृदय और विसरा सुरक्षित किया गया है। एसपी साउथ ने बताया कि प्रधान पर हत्या का षड़यंत्र रचने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। वहीं, प्रधान के भाई तारकेश्वर और परमेश्वर और दो अज्ञात के खिलाफ भी हत्या का केस दर्ज किया है। इसमें प्रधान के दोनों भाइयों और एक अज्ञात को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

अतुल की पत्नी निकिता की मां और भाई प्रयागराज से गिरफ्तार

प्रयागराज ,(संवाददाता)। आईटी पेशेवर अतुल सुभाष आत्महत्या के मामले में बंगलूरू पुलिस ने अतुल की पत्नी निकिता की मां निशा सिंहानिया और भाई अनुराग सिंहानिया को प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी जिले के किस स्थान से हुई है इसके बारे में स्थानीय पुलिस कुछ भी बताने से कतरा रही है। प्रयागराज पुलिस का कहना है कि उन्हें गिरफ्तारी के बारे में कोई जानकारी पहले से नहीं दी गई थी। बंगलूरू की पुलिस ने कब और कहां से गिरफ्तार किया है इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस अतुल के सास और साले को लेकर बंगलूरू लेकर रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपियों को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर बंगलूरू लाया गया। इसके बाद उन्हें वहां की स्थानीय अदालत में पेश किया गया। अतुल सुभाष (34) का शव नौ दिसंबर को दक्षिण–पूर्व बंगलूरू के मुन्नेकोलालु में उसके घर पर फंदे से लटका मिला था। उन्होंने वीडियो और नोट में आरोप लगाया था कि उससे अलग रह रही उसकी पत्नी और ससुराल वालों ने झूठे मामलों में फंसाकर और लगातार उत्पीड़न कर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर किया। इसी आधार पर मराठाहल्ली पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया और निकिता समेत तीन को गिरफ्तार किया है। दरअसल, पत्नी व उसके परिवार की प्रताड़ना और दो वर्ष में कोर्ट की 120 तारीखें इसके बावजूद न्याय न मिलने के कारण बंगलूरू में कार्यरत 34 वर्षीय आईटी पेशेवर अतुल सुभाष ने मौत को गले लगा लिया था। आत्महत्या को अंतिम विकल्प मानते हुए अतुल ने दुनिया से जाने से पहले करीब डेढ़ घंटे का वीडियो व 24 पन्ने का सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें शादीशुदा जिंदगी के सामाजिक तानेबाने की खामियां, साथी के लालच और षड्यंत्र की दास्तां, कानूनी महकमे में भ्रष्टाचार को उजागर किया था। मामले में मराठाहल्ली पुलिस ने अतुल के भाई विकास कुमार की शिकायत पर अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया समेत चार लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की थी। निकिता सिंघानिया, उनकी मां निशा सिंघानिया, भाई अनुराग सिंघानिया और चाचा सुशील सिंघानिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। सभी पुलिस से भागते फिर रहे थे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद भी उनके खिलाफ चल रहे मामलों में सुनवाई रुकने का नाम नहीं ले रही है। अतुल पर जौनपुर जिला सत्र न्यायालय में तीन केस लंबित हैं। वहीं, पत्नी निकिता सिंहानिया ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी भरण पोषण का मुकदमा दाखिल किया था। पुनरीक्षण याचिका सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। पारिवारिक न्यायालय के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में निकिता ने पांच सितंबर को याचिका दाखिल की थी।

परिवार संग सोए छोटे भाइयों के कमरों को बंद कर लगाई आग

गोरखपुर,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। चिलुआताल थाना इलाके के दहला गांव में बड़े भाई बेचन ने शुक्रवार रात 11रू30 बजे दो छोटे भाइयों के कमरों में ताला बंद कर थिनर (तारपीन का तेल) डालकर आग लगा दी। दोनों भाई पत्नी और बच्चों के साथ सोए हुए थे। आग लगते ही वे बाहर आने के लिए शोर मचाने लगे, लेकिन बाहर से ताला बंद था। करीब एक घंटे तक आग की लपटों के बीच वे कमरों में जान बचाने के लिए जूझते रहे। इसी बीच फ्रिज का सिलिंडर दगने से कमरे की दीवार फट गई। उसी रास्ते घायलों को बाहर निकाला गया। आग से बृजेश निषाद (32), पत्नी मधु (28), बच्ची रिद्धिमा (03), अरविंद निषाद (30) और उनकी पत्नी माला (25) झुलस गए। परिजन और आस–पास के लोगों ने पुलिस की मदद से सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। अरविंद और उनकी पत्नी माला की हालत गंभीर है। दोनों की 10 दिन पहले 4 दिसंबर को शादी हुई थी। झंगहा के नई बाजार की माला पांच दिसंबर को विदा होकर ससुराल पहुंची थीं। माला के बड़े भाई झंगहा के बोहाबार निवासी संतोष साहनी ने शुक्रवार को चिलुआताल में आरोपी बेचन निषाद, उनकी पत्नी शांति निषाद और अन्य सहयोगी के खिलाफ हत्या के प्रयास और आगजनी का केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर जाकर साक्ष्य एकत्रित किए हैं। एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि गृह कलह की वजह से यह घटना की गई है। घायलों का इलाज चल रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन बड़ा भाई बेचन दोनों भाइयों से मारपीट करता था। वह हरियाणा में रहकर कमाता है। अपना परिवार पीपीगंज में रखा है। वहीं बृजेश और अरविंद भी मुंबई रहकर काम करते हैं। अरविंद की शादी में पूरा परिवार आया था। इसमें बड़े भाई बेचन का न्योता नहीं दिया गया था। तीनों भाई एक ही घर में अलग–अलग कमरों में रहते हैं। खाना पीना अलग–अलग है।

अतुल का नहीं था कोई अफेयर..., दोस्तों ने बताई बड़ी बात, बोले– यह कांड किसी महिला के साथ...

वाराणसी,(एजेंसी)। अतुल सुभाष आत्महत्या मामले के बाद जौनपुर में कैंडल मार्च निकाला गया। कलेक्ट्रेट स्थित अंबेडकर तिराहे पर रविवार को वाराणसी से जौनपुर पहुंचे अतुल के दोस्तों ने यह मार्च निकाला और सख्त कार्रवाई की मांग की। सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन के लोगों ने यह कहा कि अगर इस मामले में किसी महिला ने आत्महत्या की होती तो अब तक आरोपी सलाखों के पीछे होता, लेकिन अतुल मामले में ऐसा कुछ नहीं हुआ। आरोपियों को पकड़ने में इतने दिन लग गए। हाथों में जस्टिस इज ड्यू.. जैसी तख्तियां लेकर दर्जनों लोग मार्च निकाल रहे थे। अतुल की मौत के आरोपियों को कड़ी सजा की भी मांग की गई है। पोस्टर के माध्यम से एक सवाल उठाया है कि अदालतों में न्याय होता है या सौदा। एसआईएफएफ के मेंबर आशीष तिवारी ने कहा कि हम लोगों से अतुल अक्सर बात किया करते थे। फैमिली और कोर्ट में चल रहे मुकदमों के बारे में कभी–कभार चर्चा हो जाया करती थी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अतुल का किसी भी लड़की या महिला के साथ कोई अफेयर नहीं था। यह विपक्ष की ओर से मनगढ़त बातें की गई है। ऐसे सवाल प्रमुख मुद्दे से भटकाने के लिए उठाए जाते हैं। उन्होंने कैंडल मार्च निकाल मांग की कि अतुल ने सुसाइड नोट में जिन बातों का जिक्र किया है, जो आरोप लगाए हैं उस पर त्वरित और सख्त कार्रवाई हो। आरोपियों पर न्यायिक कार्रवाई हो। इसके साथ ही इसमें जेंडर बायस न हो। बंगलूरू में आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष मामले में बंगलुरू पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पत्नी निकिता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी व्हाइट फील्ड डिवीजन (बंगलूरू) शिवकुमार के अनुसार, अतुल सुसाइड केस में आरोपी निकिता सिंघानिया को गुरुग्राम से पकड़ा है। जबकि निकिता की मां निशा सिंघानिया और भाई अनुराग सिंघानिया को प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। वहीं, जौनपुर में बंगलूरू से आई टीम ने चौथे आरोपी यानी निकिता के ताऊ के घर पर नोटिस चस्पा कर दिया है।

जौनपुर में घर पर चस्पा की गई थी नोटिस, पुलिस की तफ्तीश जारी

वाराणसी,(एजेंसी)।एआई इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मृतक की पत्नी निकिता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों को गिरफ्तार कर बंगलूरू लाया गया। यहां तीनों को स्थानीय अदालत में पेश किया गया। इसके बाद कार्ट ने तीनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, चौथा आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है। जौनपुर में तीन दिन पहले बंगलुरू से आई जांच टीम अभी भी जिले में है। अन्य कार्रवाई अभी भी जारी है। आरोपी निकिता के ताऊ सुशील सिंघानिया अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। सूत्रों के अनुसार, जौनपुर के कोतवाली रुहट्टा निवासी होजरी व्यापारी सुशील हार्ट का मरीज है। बताया जा रहा है कि वह अपने आवास पर ही है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष मोदी आत्महत्या प्रकरण की जांच के लिए जौनपुर पहुंची कर्नाटक पुलिस ने बीते शुक्रवार को सबसे पहले डाक बंगला स्थित निकिता के ताऊ के आवास पर नोटिस चस्पा किया। इसके बाद ढालगर टोला स्थित निकिता के आवास पर नोटिस चस्पा किया। इसमें अगले तीन दिन में सभी को उपस्थित होने के लिए कहा गया है। कर्नाटक पुलिस की टीम दीवानी न्यायालय भी पहुंची और अतुल सुभाष से संबंधित मुकदमों के नकल की कॉपी साथ ले गई। अतुल सुभाष के भाई विकास ने बंगलूरू के मराठाहल्ली थाने में सोमवार को निकिता, उसकी मां निशा सिंहानिया, भाई अनुराग उर्फ गोलू सिंघानिया व ताऊ सुशील सिंघानिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले की जांच के लिए कर्नाटक पुलिस की चार सदस्यीय टीम गुरुवार की शाम करीब 7 बजे जौनपुर पहुंची थी। शहर कोतवाली थाने में सीओ सिटी आयुष श्रीवास्तव के साथ करीब दो घंटे तक विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की थी।

फायर ब्रिगेड पहुंच जाता तो नहीं होता बड़ा नुकसान

वाराणसी,(एजेंसी)। मऊ के कोपागंज थाना क्षेत्र के सरवा छावनी गांव में सोमवार की सुबह अज्ञात कारणों से घर में आग लगने से गृहस्थी के समान सहित कई अन्य सामान जलकर राख हो गया। परिजनों का कहना है कि आग की लपट उठने के बाद लगातार फायर ब्रिगेड को फोन किया गया, वहां से कोई जवाब नहीं मिला। थाना क्षेत्र के सरवा छावनी गांव निवासी ओम प्रकाश सिंह के बेटे अरुण की कोपागंज बाजार में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान थी। बीते दिनों अरुण में दुकान बंद करने के बाद सभी सामान को लाकर घर पर रख दिया था। एक दिन पहले अरुण की दुल्हन गोरखपुर से विदा होकर ससुराल आई थी। सोमवार की सुबह परिवार सहित सभी रिश्तेदार घर के बाहर ही भोज की तैयारी में जुटे थे। सुबह करीब सात घर से धुआं निकलता देख आज पड़ोस के लोगों ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। जब तक घर ले लोग कुछ समझ पाते तब तक आग की लपटें तेज हो गईं और पूरे घर को अपने आगोश में ले लिया। घर वालों ने बताया कि आग लगने के बाद से लगातार करीब आधे घंटे तक पर मिनट को सूचित किया गया पर कोई जवाब नहीं मिला। ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि अज्ञात कारणों से घर में आग लगने से करीब 7रू50 क्विंटल गेहूं, 3रू50 क्विंटल चावल, फ्रिज, वाशिंग मशीन, सिलाई मशीन, 12 सीलिंग और टेबल फैन, इनवर्टर बैटरी, फर्नीचर सहित पर कई सामान जलकर राख हो गया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद सबमर्सिबल से पानी डालकर आग पर काबू पाया गया।

मेडिकल रिपोर्ट की हाथ से बनी कॉपी दाखिल करने पर कोर्ट खफा, कंप्यूटर से बनाने का आदेश

प्रयागराज ,(संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट की कॉपी हाथ से बनाकर देने पर नाराजगी जताई है। कहा, आश्वासन के बावजूद हाथ की बनी कॉपी अदालत में दाखिल की जा रही है। इस पर महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को मेडिकल–पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी कंप्यूटर से तैयार कराने का आदेश दिया है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की अदालत ने पीलीभीत के करेली में दुष्कर्म के नाबालिग आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए की। कोर्ट ने महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को मेडिकल जांच व पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी कंप्यूटर से तैयार कराने का आदेश दिया है। कहा है कि मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी तैयार कराने की जवाबदेही डॉक्टर, स्टाफ के अलावा सीएमओ व सीएमएस की भी है।

संपादकीय

बौद्धिक संपदा में भारत की छलांग

पिछले पांच वर्षों में प्रस्तुत किए जाने वाले पेटेंट और औद्योगिक डिजाइनिंग दाखिल करने में भारत छलांग मार कर दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल हो गया है। ज्ञान से हासिल बौद्धिक संपदा को अपने नाम कराने में भारत की यह बड़ी उपलब्धि है। बौद्धिक संपदा का अधिकार मानव मस्तिष्क द्वारा सृजन को प्रदर्शित करता है। विश्व बौद्धिक संपदा (डब्लू आइपीओ) की रपट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत की ओर से दाखिल किए गए पेटेंट की संख्या 64,480 थी। ।सेव त्मंक – प्रियंका गांधी वाड्रा की इंदिरा गांधी से अनोखी समानता भाजपा के लिए चिंता का विषय पेटेंट दाखिल करने में वृद्धि 2022 की तुलना में 15.7 फीसद थी। 2023 में दुनिया में 35 लाख से अधिक पेटेंट दाखिल किए गए। यह लगातार चौथा वर्ष था, जब वैश्विक पेटेंट जमा कराने में वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष सबसे ज्यादा 6.40 लाख पेटेंट चीन ने प्रस्तुत किए, जबकि अमेरिका 5,18,364 । ही पेटेंट दाखिल करा पाया। इसके बाद जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और फिर भारत का स्थान हैं। पेटेंट दाखिल करने में एक और विशेष बात रही कि सबसे ज्यादा पेटेंट एशियाई देशों ने कराए। वर्ष 2023 में वैश्विक पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन दाखिल करने में एशिया की हिस्सेदारी क्रमशः 68.7 फीसद, 66.7 फीसद और 69 फीसद रही। इनमें आविष्कार, साहित्यिक और कलात्मक कार्य, डिजाइन, प्रतीक, नाम और वाणिज्य के क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली छवियां शामिल हैं। डब्लूआइपीओ की स्थापना संयुक्त राष्ट्र की एजंसी के रूप में की गई थी। व्यक्ति किसी चीज की खोज करता है, तो उसे अपनी पेटेंट करा लेता है। कंपनियां भी यही करती क संपदा बताते हुए पट्ट हैं। मसलन, उत्पाद और इसे बनाने की विधि को कोई और उनकी इजाजत के बिना उपयोग नहीं कर सकता। पश्चिमी देशों द्वारा लाया गया पेटेंट एक ऐसा कानून है, जो व्यक्ति या संस्था को बौद्धिक संपदा का अधिकार देता है। मूल रूप से यह कानून भारत जैसे विकासशील देशों के पारंपरिक ज्ञान को हड़पने के लिए लाया गया, क्योंकि यहां जैव विविधता के अकूत भंडार होने के साथ, उनके नुस्खे मानव और पशुओं के स्वास्थ्य लाभ से भी जुड़े हैं। अध्ययन करके उनमें मामूली फेरबदल कर उन्हें एक वैज्ञानिक शब्दावली दे दी जाती ध और फिर पेटेंट के जरिए इस ज्ञान को हड़प कर इसके एकाधिकार चंद लोगों के सुपुर्द कर दिए जाते हैं। यही वजह है कि वनस्पतियों से तैयार दवाओं की ब्रिकी करीब तीन हजार अरब डालर तक पहुंच गई है। हर्बल या आयुर्वेद उत्पाद के नाम पर सबसे ज्यादा दोहन भारत की प्राकृतिक संपदा का हो रहा है। आयुर्वेद में पश्चिमी देश इसलिए रोड़ा अटकाते हैं कि कहीं उनका एकाधिकार टूट न जाए! अब तक वनस्पतियों की जो जानकारी वैज्ञानिक हासिल कर पाए हैं, उनकी संख्या लगभग ढाई लाख है। इनमें से 50 फीसद उष्णकटिबंधीय वन–प्रांतरों में उपलब्ध हैं। भारत में 81 हजार वनस्पतियां और 47 हजार प्रजातियों के जीव–जंतुओं की पहचान सूचीबद्ध हैं। अकेले आयुर्वेद में पांच हजार से भी ज्यादा वनस्पतियों का गुण दोषों के आधार पर मनुष्य जाति के लिए क्या महत्त्व है, इसका विस्तार से विवरण मिलता है। ब्रिटिश वैज्ञानिक राबर्ट एम ने जीव और वनस्पतियों की दुनिया में कुल 87 लाख प्रजातियां बताई हैं। दवाइयां बनाने वाली विदेशी कंपनियों की निगाहें इस हरे सोने के भंडार पर हैं। इसलिए 1970 में अमेरिकी पेटेंट कानून में कुछ संशोधन किए गए। विश्व बैंक ने अपनी एक रपट में कहा था कि श्नया पेटेंट कानून परंपरा में चले आ रहे देसी ज्ञान को महत्त्व और मान्यता नहीं देता, बल्कि इसके उलट जो जैव व सांस्कृतिक विविधता और उपचार की देसी प्रणालियां प्रचलन में हैं, उन्हें नकारता है। इसी क्रम में सबसे पहले भारतीय पेड़ नीम के औषधीय गुणों का पेटेंट अमेरिका और जापान की कंपनियों ने कराया था।

देश की तरक्की हेतु जरूरी है ऊर्जा आत्मनिर्भरता

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले लगभग दो साल से यूक्रेन–रूस युद्ध जारी है। इस्राइल का हमास (फलस्तीन) दृ ईरान हिज्बुल्ला के बीच भी संघर्ष चल रहा है। पूरे पश्चिम एशिया में अशांति का दौर जारी है। इन युद्ध और संघर्षों के कारण से अभी भी यूरोप बिजली, प्राकृतिक गैस और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। पिछले कुछ समय से पूरी दुनिया महंगाई और ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। भारत तो अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से भी अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। भारत काफी सालों से अक्षय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करता जा रहा है। पिछले दिनों एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 10 अक्तूबर तक 200 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है कि देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 452.69 गीगावाट है, जिसमें लगभग आधी हिस्सेदारी अक्षय ऊर्जा स्रोतों की हो गई है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार अक्षय ऊर्जा के मामले में सौर ऊर्जा देश में पहले स्थान पर है। सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में आज भारत दुनिया में पांचवें स्थान पर है। सौर ऊर्जा के बाद नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक विकास पवन ऊर्जा का हुआ है। देश में इसकी स्थापित क्षमता 47.36 गीगावाट है। आज पवन ऊर्जा की स्थापित क्षमता के मामले में भारत चीन, अमेरिका और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर है। किसी भी देश के आधारभूत विकास के लिए ऊर्जा का सतत और निर्बाध प्रवाह बहुत जरूरी है। देश में प्रति व्यक्ति औसत ऊर्जा खपत वहां के जीवन स्तर का सूचक होती है। बढ़ती आबादी के उपयोग के लिए और विकास को गति देने के लिए हमारी ऊर्जा की मांग भी बढ़ रही है। द्रुतगति से देश के विकास के लिए औद्योगीकरण, परिवहन और कृषि के विकास पर ध्यान देना होगा। इसके लिए ऊर्जा की भी आवश्यकता है। देश में बिजली की मांग भी वर्तमान उपलब्धता से कहीं अधिक है। आवश्यकता के अनुरूप बिजली का उत्पादन नहीं हो रहा है। कोविड महामारी का दुष्प्रभाव लगभग खत्म होने के बाद से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आई है जिस कारण से बिजली की मांग भी बढ़ी है। आने वाले समय में भारत में बड़ा बिजली संकट पैदा हो सकता है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर–अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरंतर तेजी से बढ़ रही है। ऊर्जा उत्पादन के साथ–साथ ऊर्जा संरक्षण पर भी ध्यान देना होगा। अपना भविष्य उज्ज्वल बनाए रखने के लिए वर्तमान परिस्थितियों में सभी तरह की ऊर्जा तथा ईंधन की बचत अत्यंत आवश्यक है। आज हम बचत करेंगे तो ही भविष्य सुविधाजनक रह पाएगा। दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है, लेकिन ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है। वस्तुतरू ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। भोजन, प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार, सुख संसाधन, पर्यटन जैसी आवश्यकताओं में भी ऊर्जा के विभिन्न रूपों ने हमारी जीवनशैली में अनिवार्य स्थान बना लिया है। इन सबमें भी बिजली ऊर्जा वह प्रकार है जो सबसे सुगमता से हर कहीं सदैव हमारी सुविधा हेतु सुलभ है। यही कारण है कि अन्य ऊर्जा विकल्पों को बिजली में बदलकर ही उपभोग किया जाता है। वास्तव में यदि ऊर्जा का उपयोग सोच–समझ कर नहीं किया गया तो इसका भंडार जल्द ही समाप्त हो सकता है। प्रकृति पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही हमारी भावी पीढ़ियों का भी है। जब हम अपने पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों के फल खाते हैं, उनकी संजोई धरोहर का उपभोग करते हैं तो हमारा नैतिक दायित्व है कि हम भविष्य के लिए भी नैसर्गिक संसाधनों को सुरक्षित छोड़कर जाएं, कम से कम अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका दुरुपयोग न करें, अन्यथा भावी पीढ़ी और प्रकृति

हमें कभी माफ नहीं करेगी। आज भारत 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' का सफल नेतृत्व कर रहा है। परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों और भविष्य में इसके समाप्त होने के भय का समाधान अक्षय ऊर्जा में ही निहित है। हालांकि, नवीकरणीय ऊर्जा में सकारात्मक प्रगति के बावजूद भारत की जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता 'नेट जीरो' के लक्ष्य में बाधक बन सकती है। 'पंचामृत' पहल के तहत केंद्र सरकार सीओपी–26 सम्मेलन में घोषित कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी करने, 2030 तक गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक ले जाने, अपनी ऊर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करने, अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा 2070 तक 'नेट जीरो' कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में प्रतिबद्धता से जुटी है।

प्रियंका गांधी वाड्रा की इंदिरा गांधी से अनोखी समानता भाजपा के लिए चिंता का विषय

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अपनी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा को सदन में अपना पहला भाषण देते हुए देखने के लिए लोकसभा की दर्शक दीर्घा में बैठी थीं। रॉबर्ट वाड्रा, जो अपनी पत्नी के पदचिन्हों पर चलने का अवसर तलाश रहे हैं, भी मौजूद थे। लेकिन उनके परिवार के सदस्यों से कहीं अधिक, नेहरू–गांधी परिवार से संसद में नवीनतम प्रवेश करने वाले इस सदस्य पर सत्तारूढ़ दल के सदस्यों की सदन के अंदर गहरी नजर थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन के फर्श पर धयानपूर्वक बैठे हुए गांधी वाड्रा को बोलते हुए देख रहे थे। गांधी वाड्रा से सावधान न रहने के बारे में सभी बाहरी डींगों के बावजूद, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभी भी नेहरू–गांधी परिवार को एक दुर्जेय राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखते हैं। निजी तौर पर, कई आरएसएस–भाजपा नेता मानते हैं कि कांग्रेस और नेहरू–गांधी परिवार क्षेत्रीय दलों की तुलना में उनके प्रभुत्व के लिए अधिक शक्तिशाली खतरा पैदा करते हैं। गांधी वाड्रा और पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के बीच अनोखी समानता को देखते हुए, भाजपा प्रबंधकों को लगता है कि उन्हें उन पर नजर रखनी चाहिए। गांधी वाड्रा केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के तुरंत बाद बोलने के लिए उठीं तो वे घबराई हुई दिखीं, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपना संयम वापस पा लिया। भाषण के बाद, भाजपा नेताओं ने स्वीकार किया कि वे उन्हें हल्के में नहीं ले सकते। जान जबकि श्शुष्कश बिहार में तापमान गिर रहा है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महिला संवाद यात्रा (महिलाओं से बातचीत करने के लिए एक राज्यव्यापी दौरा) पर निकल पड़े हैं, उनके सलाहकार और शुभचिंतक चिंतित हैं। कुमार अपने दौरे की शुरुआत चंपारण से करने वाले हैं, जो नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा पर है। लेकिन कानून प्रवर्तन एजेंसियां घ्च्चंपारण से रोजाना हजारों लीटर अवैध शराब जब्त कर रही हैं। जबकि यह सर्वविदित है कि 2016 में लागू किया गया निषेध राज्य में विफल रहा है, जनता दल (यूनाइटेड) के मंत्री इस बात को लेकर चिंतित हैं कि जब कुमार को उनकी नीति की विफलता के बारे में बताया जाएगा तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी। अगर उनके दौरे के दौरान शराब से संबंधित मौतें होती हैं तो यह और भी बुरा होगा। शादियों को फिर से परिभाषित क्यों करना चाहिए? "मुख्यमंत्री का मानना घ्छै कि निषेध सफल रहा है और इसने समाज में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने शराब पर प्रतिबंध इसलिए लगाया क्योंकि महिलाओं ने इसकी मांग की थी। उनका दौरा महिलाओं पर केंद्रित होगा और वे शराबबंदी को उनकी सफलता के रूप में पेश कर सकते हैं। हम नहीं चाहते कि कोई गड़बड़ी इसे बिगाड़े,श्श कुमार के करीबी एक वरिष्ठ मंत्री ने खुलासा किया। हालांकि, कुछ मंत्री और अधिकारी इस बात पर अड़े हुए हैं कि राज्य में शराबबंदी के सफल होने की संभावना नहीं है क्योंकि इसकी सीमा नेपाल, उत्तर प्रदेश, झारखंड और बंगाल से लगती है और अब समय आ गया है कि बदलाव की हवा चल रही है पिछले कुछ सालों में बिहार में कानून–व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। लेकिन लोगों ने हाल ही में हवा में एक सूक्ष्म बदलाव महसूस करना शुरू कर दिया है। पिछले महीने राज्य में कम से कम छह ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें पुलिस ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटरों को गिरफ्तार किया, घायल किया या उन्हें मार गिराया। हाल ही में एक बैंक लुटेरे और अपहरणकर्ता को पकड़ा गया, जो बिहार से हरियाणा तक फैले क्षेत्र में सक्रिय था। इससे लोगों को यह विश्वास हो गया है कि राज्य पुलिस शराबबंदी के अपने सुस्त क्रियान्वयन के बावजूद अभी भी कार्रवाई कर सकती है। राजनेताओं ने भी माहौल में बदलाव महसूस करना शुरू कर दिया है। कुमार के एक वरिष्ठ कैबिनेट सहयोगी ने कहा, ष्अपराध नियंत्रण राजनीतिक इच्छाशक्ति से आता है और हमारे मुख्यमंत्री में इसकी कोई कमी नहीं है। वे वही व्यक्ति हैं जिन्होंने बिहार को श्जंगल राजश की गंदगी से निकाला। वे हाल के दिनों में देश के पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कठोर तरीके से अपराध पर लगाम लगाई है। हमें यकीन है कि वे हमारे राज्य के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर नजर रख रहे हैं।ष ऐसा लगता है कि कुमार जल्द ही त्वरित न्याय देने के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरेंगे। खराब उदाहरण हाल ही में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा अपने राज्य को विकास के लिए एक आदर्श और देश के बाकी हिस्सों के लिए एक उदाहरण के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। यह सरकार के आधिकारिक बयानों के साथ–साथ सरमा के सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक भाषणों से भी स्पष्ट है। शुक्रवार को, उन्होंने कहा कि असम ने लोगों को सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं, जैसे षबिना रिश्वत के 1.5 लाख नौकरियां, छात्राओं को आर्थिक सहायता, गरीबों को राशन कार्ड प्रदान करना। उनके दावों की सत्यता पर अभी भी कोई निर्णय नहीं हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि पड़ोसी राज्य मेघालय के एक भाजपा विधायक सनबोर शुल्लई ने सरमा को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने न केवल सरमा को "पूर्वोत्तर के सभी राजनीतिक नेताओं के लिए एक आदर्श" बताया है, बल्कि "सरमा के मार्गदर्शन में असम द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों" को "बेहद सराहनीय" बताया है। शुल्लई ने वैध दस्तावेजों के साथ व्यापारियों द्वारा मेघालय में मवेशियों के सुचारू परिवहन के लिए मुख्यमंत्री से मदद भी मांगी है। हालांकि, असम में विपक्ष अलग तरह से सोचता है और उसने सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर केंद्र से बार–बार ऋण लेने का आरोप लगाया है, जिससे असम के लोगों पर बोझ बढ़ जाता है।

भागे तानाशाह मगर चौन कहां

सहीराम

दुनिया में यह कैसी भागमभाग मची है जी! कल बांग्लादेश से शेख हसीना भागी थी। अब सीरिया से असद भाग गए। इसके कुछ दिन पहले ही श्रीलंका से राजपक्षे भागे थे। पाकिस्तान वालों का पता नहीं चलता कि वे भागते हैं कि भगाए जाते हैं। वैसे तो सभी भगाए ही जाते हैं, चाहे शेख हसीना हो, चाहे असद हो या फिर राजपक्षे। लेकिन उन्हें जनता भगाती है। पाकिस्तान वालों को उनकी जगह कुर्सी पर आने वाले ही भगाते हैं, जैसे कह रहे हों कि भागो यहां से नहीं तो फांसी पर लटका दूंगा। वैसे ही जैसे नवाज शरीफ को मुशर्रफ ने भगाया था। खैर, अपने यहां की अच्छी बात यह है कि यहां से ठग ही भागते हैं। वैसे तो जो दूसरे भाग रहे हैं, उन्हें भी जनता ठग ही मानती रही है। तो जी सुना है कि इधर गुजरात में कोई छह हजार करोड़ रुपये ठग कर भूपेंद्र झाला नाम का एक और ठग भाग लिया। गुजरात वाले साल दो साल में ऐसे कारनामे कर ही लेते हैं। जी नहीं, बात सिर्फ नीरव मोदी या मेहुल चौकसी की नहीं हो रही, संदेसरा की भी हो रही है और अब तो झालाजी भी आ गए हैं। इन ठगों की अच्छी बात यह है कि वे छोटी–मोटी ठगी नहीं करते हैं। वे चिंदी चोर नहीं हैं। हजारों–करोड़ का बड़ा हाथ मारते हैं जमके। ताकि विदेशों में बैठकर ठीक–ठाक अपना गुजारा कर सकें–विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी की तरह। खैर जी, इधर सीरिया से असद भाग गए हैं। थोड़े दिन पहले बांग्लादेश से शेख हसीना भागी थी। कहते हैं यह भी तानाशाह थे, वो भी तानाशाह थी। तानाशाहों के डर से पहले जनता भागती है और फिर जनता के डर से तानाशाह भागते हैं। अब भागकर तानाशाहों को तो कहीं न कहीं शरण मिल ही जाती है। बस जनता को ही राहत नहीं मिलती। अब बांग्लादेश को ही देख लो। बांग्लादेश की जनता को कहां राहत मिल रही है। नोबल पुरस्कार विजेता को गद्दी पर बिठाने के बावजूद मार–काट मच गयी न। जमाते इस्लामी जैसे कट्टरपंथियों को छूट मिलेगी तो यही होगा जी। सीरिया की जनता को भी कहां राहत मिलने वाली है। असद को भगाकर जो आए हैं, हैं तो वे भी जिहादी ही। अल–कायदा से निकले हुए। कभी अफगानिस्तान में नजीबुल्लाह को फांसी पर लटकाए जाने से लोग खुश हुए थे। लेकिन उसके बदले मिले तालीबानी। अब असद के बदले कौन मिलेगा, क्या पता–कोई तालिबानियों और जमाते इस्लामी जैसा ही मिला तो फिर क्या मिला। इससे अच्छा तो श्रीलंका वाले ही रहे।

सांता अंकलजी, जल्द ही हमारे लिए कुछ अच्छा उत्साह लाएँ!

आदित्य

बस दो सप्ताह का समय बाकी है, इससे पहले कि थका हुआ, दुनिया से थका हुआ सांता कालिख से लथपथ चिमनी से नीचे गिरता हुआ आए। भारत में, उसे उस भारी प्रयास से बचा लिया जाएगा, क्योंकि दिल्ली वैसे भी एक विशाल चिमनी है। वह सब कुछ हवाई जहाज से गिरा सकता है और अपनी स्लेज को दूसरे शहरों में ले जा सकता है। यह प्रिय सांता के लिए एक कठिन, मुश्किल साल रहा है, जैसा कि हममें से अधिकांश के लिए... डोनाल्ड ट्रम्प को छोड़कर। यहाँ अपने देश में, हम एक साथ कई मोर्चों पर आग बुझाने में लगे हैं और ऐसा नहीं लगता कि हम सामुदायिक क्रिसमस कैरोल गायन के दौरान जॉय टू द वर्ल्ड गाएंगे, हालाँकि भगवान निश्चित रूप से जानते हैं कि हमारी वर्तमान आनंदहीन दुनिया 2025 में बहुत अधिक ष्खुष्शीष और बहुत कम ष्घमष के साथ हो सकती है। अमेरिका के प्रमुख शब्दकोश मेरियम–वेबस्टर द्वारा ष्वर्ष का शब्दष घोषित किया गया (ष्कुछ ऐसा जिस पर सभी सहमत हैं... अरे, वास्तव में नहीं, प्रिय वेबस्टर!) थोड़ा बहुत पूर्वानुमानित। इतिहास में दुनिया कब ध्रुवीकृत नहीं हुई है? अगर संदर्भ सिर्फ ट्रंप और हैरिस और 2024 के अमेरिकी चुनावों से है.. हेलो मेरियम–वेबस्टर... अमेरिका से परे भी धरती पर जीवन है! और वहाँ आठ अरब से ज्यादा लोग हैं जो इस बात से ग्रस्त नहीं हैं कि अमेरिकी क्या महसूस करते हैं, क्या सोचते हैं या क्या करते हैं। जैसे लुइगी मैंगियोनी द्वारा यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की निर्मम हत्या। इस घिनौनी कहानी का एक अस्पष्ट देसी कनेक्शन है। मैंगियोनी के पसंदीदा उद्धरणों में से एक थारू ष्एक गंभीर रूप से बीमार समाज में अच्छी तरह से समायोजित होना स्वास्थ्य का कोई माप नहीं है।ष ये दार्शनिक, पंथ गुरु जिद्दू कृष्णमूर्ति के शब्द हैं। विडंबना यह है कि ये शब्द न केवल 26 वर्षीय येल स्नातक की मनःस्थिति को दर्शाते हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर अमेरिकी समाज की स्थिति को भी दर्शाते हैं। संभावना है कि लुइगी को एक लोक नायक में बदल दिया जाएगा और उसके काम की प्रशंसा की जाएगीरू एक पेशेवर ष्सूटष को मारना, जिसे एक ऐसी कंपनी का नेतृत्व करने के लिए रखा गया था जिसने वर्षों से लाखों भरोसेमंद लोगों को निराश किया। खैर, दुनिया भर में बीमा कंपनियाँ कुटिल तरीके से काम करती हैं। बहुत कम ही ऐसे लोग होते हैं जिन्हें कभी वादा किया गया भुगतान मिलता है। अधिकांश को धोखा दिया जाता है। और फिर भी, हममें से कितने मूर्ख और भोले हैं जो घोटालेबाज बीमा एजेंटों को और भी अमीर बनाने के लिए भारी वार्षिक प्रीमियम का भुगतान करना जारी रखते हैं? ष्अमेरिका को फिर से गुजराती बनाओ सबसे नया ष्मजाकष है जो चल रहा है। ट्रम्प की नवीनतम नियुक्ति के अनुसार इसे ष्अमेरिका को फिर से खालिस्तानी बनाओष से भी बदला जा सकता है। चंडीगढ़ में जन्मी कैलिफोर्निया की वकील हरमीत कौर ढिल्लों न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग की प्रमुख होंगी। विवादास्पद ढिल्लों (रिपब्लिकन पार्टी की रैली में अरदास पढ़ने के बाद उन्हें नस्लीय हमलों का सामना करना पड़ा), को खालिस्तानी समर्थक बताकर नामांकित करके ट्रम्प ने कई भारतीय समर्थकों को नाराज कर दिया है, जिन्होंने कहा था कि ढिल्लों ने एक बार भारत को ष्सोवियत–ग्राहक राज्यष के रूप में वर्णित किया था। सुश्री ढिल्लन, आप जिस देश को दो साल की उम्र में छोड़कर चले गए थे और जहाँ आपके पिता ने डॉक्टर की योग्यता प्राप्त की थी, उसके बारे में यह सबसे दोस्ताना टिप्पणी नहीं है। "अमेरिका को फिर से गुजराती बनाओ" का तात्पर्य ट्रम्प द्वारा काश ("मुझे कैश कहो") पटेल को थ्ठप् के निदेशक के रूप में नियुक्त करने से है, जो लोकप्रिय कल्पना में स्वतंत्र भूमि में असली शो चलाता हैरू यह छायादार, छायादार जासूस हैं जो फैसले लेते हैं। खैर, हमारे काश के लिए उसका काम तय है।ं उनकी नियुक्ति के बारे में चल रहे मजाक की आखिरी पंक्ति हैरू में आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय आगंतुक, जिनका अंतिम नाम पटेल है, उन्हें वीजा जाँच से छूट दी जाएगी।" कुछ अन्य चुटकुले भी बहुत मजेदार हैं, जैसे कि वह जो कहता है कि काश सभी फील्ड एजेंटों को केवल मोटल 6 में रहने का निर्देश देगा – काश के चाचा के पास उनमें से 1,500 हैं। संभावित रूप से संदिग्ध या खतरनाक स्थितियों में हास्य देखना अच्छा है। यूक्रेन में खूनी (शब्दों का इस्तेमाल!) युद्ध जारी है। और अब हमें सीरिया की भयावह स्थिति का सामना करना है, जिसमें हमारे कुछ साथी नागरिकों को दमिश्क से निकालकर लेबनान भेजा जा रहा है, और फिर घर वापस जाना है। असद को उखाड़ फेंकना और उसकी सिर कटी मूर्तियों पर नाचना उन उत्पीड़ित सीरियाई लोगों के लिए बहुत जरूरी खुशी लेकर आया, जिन्हें 30 साल तक असद के अत्याचार को सहने के लिए मजबूर होना पड़ा था। अब जबकि असद पुतिन की गोद में है, तो कोई भी उसे छू नहीं सकता। मुझे हमेशा इस बात पर हैरानी होती है कि ऐतिहासिक रूप से तानाशाह कैसे समय रहते आसानी से भाग जाते हैं। वे हमेशा उस देश से जल्दी से जल्दी निकल जाते हैं, जिस पर उन्होंने बेबाक क्रूरता के साथ शासन किया है। तानाशाहों के लिए आराम से भागने और दूसरे तानाशाहों द्वारा दी जाने वाली शरण लेने के लिए किस तरह की "सेटिंग" शामिल है? जब उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब भारी हथियारों से लैस विद्रोही कहाँ थे? ऐसा कैसे हुआ कि उन्होंने हवाई अड्डों को सील नहीं किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बुरे लोग भाग न सकें? ऐसे महत्वपूर्ण समय में खुफिया विफलता के बारे में क्या? या यह भोली सोच है? शायद यह हमेशा से ही एक लेन–देन रहा है, और विद्रोही नेताओं ने ट्रक भर रूबल और बहुत कुछ के बदले में राक्षस को देश से बिना किसी नुकसान के जाने दिया। मध्य पूर्व को हमेशा के लिए उबाल पर रखना दशकों से एक कुख्यात महाशक्ति रणनीति रही है। आज सीरिया है... कल किसकी बारी होगी? इस समय हमारे अपने घर में ही, हम दीदी के भारत ब्लॉक का नेतृत्व करने की संभावना से घबरा रहे हैं। क्या हम इतने हताश हैं? शरद पवार द्वारा ममता बनर्जी का समर्थन करने के ठीक बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव द्वारा ममता बनर्जी का समर्थन करना नागरिकों की रातों की नींद हराम कर रहा है। भले ही विकल्प कहीं अधिक खराब दिखाई दे! राहुल गांधी ने अपनी विविध टीम को इस ज्ञापन को नजरअंदाज करने की सलाह दी है और इसे सहयोगियों द्वारा "दिखावा" बताया है। समझ में आता है। यह साल का वह समय है जब राहुल बाबा बहुत जरूरी आराम और विश्राम के लिए निकल पड़ते हैं। गस्टाड? सेंट मोरित्ज? ऐसी जगहें जहाँ राहुल जरूरी राहुल हो सकते हैं – पुराने राहुल। हमें गुच्ची लोफर्स की याद आती है, भाई। साल के अंत की सूचियों का समय आ गया है। किसी को भी याद नहीं रहता कि किसने कौन सी सूची बनाई। लेकिन सूचियाँ हमारी गंभीर दुनिया में हल्कापन प्रदान करती हैं। "बहुत विनम्र, बहुत सावधान" होना कुछ समय के लिए सभी के बीच चर्चा का विषय था, हमारे देसी सेलेब्स अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों से प्रेरित होकर कॉपीकैट रील पोस्ट कर रहे थे। "इसका क्या मतलब है?" पर टॉप ट्रेंडिंग एक नवजात लड़के के लिए एक अनोखा, उच्चारण न किया जा सकने वाला नाम था — अकाय। मुझे यकीन है कि विराट और अनुष्का कोहली के बेटे के नाम का गहरा और गूढ़ अर्थ है। लेकिन हम अनजान हैं। फिर से, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की खुशी की गुलाबी किरण का नाम ष्दुआष रखा गया है। और नहीं, गायक दुआ लिपा को श्रद्धांजलि के रूप में नहीं, जिनका मुंबई में फीका संगीत कार्यक्रम प्रशंसकों के अनुसार निराशाजनक था।

ठंड ने तोड़ा चार साल का रिकॉर्ड रात में पारा 5 डिग्री के नीचे पहुंचा

गोरखपुर,(संवाददाता)। ठंड का प्रकोप जारी है और तापमान में गिरावट जारी है। शनिवार रात न्यूनतम तापमान ने चार साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। रात का न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिसंबर माह में यह चार साल में सर्वाधिक कम है। इससे पहले वर्ष 2019 में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। शाम होते ही ठंडी हवा चलने से गलन महसूस होने लगी। दिन में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहने और रात में तापमान के सामान्य से पांच से छह डिग्री सेल्सियस तक कम होने से इसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। रात में लापरवाही बरतने वाले लोगों को ठंड के कारण सर्दी, खांसी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं से जूझना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था। शनिवार रात का तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरकर 4.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। यह सामान्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस कम है। यह दिसंबर में चार साल में सबसे कम तापमान है। वहीं दिन का तापमान अब भी 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। दिन का तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से .9 डिग्री सेल्सियस कम रहा। दिन में धूप निकलने से मौसम सुहाना रहा। लेकिन, शाम होते ही शीत लहर चलने से गलन बढ़ गई। मौसम विभाग ने अभी 17 दिसंबर तक मौसम ऐसे ही बने रहने का अनुमान जताया है। फिजिशियन डॉ. राजीव जायसवाल ने बताया कि दिन और रात के तापमान में अत्यधिक अंतर होने के चलते इस असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस समय बच्चे व बड़े बुजुर्गों की सेहत का खास ख्याल रखने की आवश्यकता है।

बंद कमरों में बचने के लिए चिल्लाते रहे... भाई ने परिवार को लगाई आग, आरोपी

गोरखपुर,(संवाददाता)। गोरखपुर के चिलुआताल का दहला गांव शुक्रवार रात आगजनी की घटना से दहल गया। रात 11रू30 बजे अचानक मुन्नीलाल के घर से चीखने चिल्लाने की आवाज आने लगी। दो कमरों से आग की लपटें निकल रही थीं, दरवाजे पर ताला लगा था। अंदर एक कमरे में मुन्नीलाल का बेटा बृजेश निषाद पत्नी मधु और तीन साल की बेटी रिद्धिमा के साथ बचाने के लिए चिल्ला रहे थे। वहीं बगल में अरविंद पत्नी माला के साथ बाहर आने के लिए जूझ रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घर में आग लगाने वाला बड़ा भाई बेचन निषाद हाथ में राड लेकर चिल्ला–चिल्ला कर बोल रहा था कि आज सबको जिंदा जला दूंगा, अब बचकर दिखाओ। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित होने पर वह फरार हो गया। राजघाट क्षेत्र के महेवा से एक दिन पहले बृजेश और अरविंद का भांजा पप्पू साहनी घर आकर रुका था। बेचन ने सिलिंडर का पाइप कमरे में डालकर गैस खोल दिया तो पप्पू ने बंद किया। इसके बाद आग बुझाने के लिए 45 मिनट तक बाल्टी से पानी लाकर दोनों कमरों में फेंकता रहा, लेकिन आग नहीं बुझी। तभी अचानक कमरे में रखे फ्रिज में विस्फोट हुआ और दीवार फट गई। वहां से दीवार तोड़कर पप्पू ने ग्रामीणों के साथ मिलकर आग में फंसे पांचों लोगों को बाहर निकाला। बृजेश निषाद (32), पत्नी मधु (28), बच्ची रिद्धिमा (03), अरविंद निषाद (30) और उसकी पत्नी माला (25) झुलस गईं। उन्हें एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। चिलुआताल थाना इलाके के दहला गांव में बड़े भाई बेचन ने ने शुक्रवार रात 11रू30 बजे दो छोटे भाइयों के कमरों में ताला बंद कर थिनर (तारपीन का तेल) डालकर आग लगा दी। दोनों भाई पत्नी और बच्चों के साथ सोए हुए थे। आग लगते ही वे बाहर आने के लिए शोर मचाने लगे, लेकिन बाहर से ताला बंद था। करीब एक घंटे तक आग की लपटों के बीच वे कमरों में जान बचाने के लिए जूझते रहे। इसी बीच फ्रिज का सिलिंडर दगने से कमरे की दीवार फट गई। उसी रास्ते घायलों को बाहर निकाला गया। आग से बृजेश निषाद (32), पत्नी मधु (28), बच्ची रिद्धिमा (03), अरविंद निषाद (30) और उनकी पत्नी माला (25) झुलस गए। परिजन और आस–पास के लोगों ने पुलिस की मदद से सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। अरविंद और उनकी पत्नी माला की हालत गंभीर है। दोनों की 10 दिन पहले 4 दिसंबर को शादी हुई थी। झंगहा के नई बाजार की माला पांच दिसंबर को विदा होकर ससुराल पहुंची थीं।

राजस्व टीम के सामने भिड़े दो पक्ष जमकर चले लाठी और पत्थर

बहराइच,(संवाददाता)। डीएम के आदेश पर जमीनी विवाद में शनिवार को रामगांव थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रेहुवा मंसूर मजरा के तिवारीपुरवा गांव में पैमाइश के लिए गई थी। इस दौरान दो पक्ष राजस्व और पुलिस टीम के सामने ही भिड़ गए। इसमें जमकर लाठी–डंडे और ईंट चले। इसमें एक पक्ष से दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर आठ लोगों पर बलवा, मारपीट समेत अन्य धारा में मुकदमा दर्ज किया है। वहीं झगड़ा होते ही राजस्व टीम भाग खड़ी हुई। महसी तहसील के रामगांव थाना के रेहुआ मंसूर के मजरा तिवारीपुरवा निवासी रामतेज यादव का कई वर्षों से गांव निवासी दूसरे पक्ष से जमीन का विवाद चल रहा है। पीड़ित पक्ष ने थाना समाधान दिवस पर शिकायत की थी। उच्चाधिकारियों के आदेश पर राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम खेत पर तिवारीपुरवा गांव पैमाइश करने पहुंची थी। इसमें तहसीलदार, लेखपाल, कानूनगो आदि शामिल थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने टीम के सामने ही पीड़ित पक्ष को जमकर पीटा और ईंट–पत्थर चलाए। हमले से वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। इसी दौरान किसी ने छप्पर के एक घर में आग लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिसफोर्स घटनास्थल पर पहुंची और दोनों पक्षों को पकड़कर थाना पर ले आई। रामगांव थानाध्यक्ष आलोक सिंह ने बताया जमीनी रंजिश कई वर्षों से चल रही है, डीएम के आदेश पर टीम नापखोज के लिए गई थी। इसी दौरान एक पक्ष ने हमला कर दिया। पीडिघ्त पक्ष की तहरीर पर आठ लोगों पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जमीनी पैमाइश के लिए गई राजस्व और पुलिस टीम पर तिवारीपुरवा गांव में हमले की जानकारी मिली है। आरोपियों पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

एमएमएमयूटी में बीटेक में फर्जी दाखिला... वरिष्ठ लिपिक पर केस

गोरखपुर,(संवाददाता)। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बीटेक कंप्यूटर साइंस में प्रवेश के नाम पर वरिष्ठ लिपिक रवि मोहन श्रीवास्तव पर जालसाजी का आरोप है। रजिस्ट्रार दफ्तर में तैनात लिपिक ने कर्मचारी कोटा से दाखिला दिलाने का झांसा देकर अपने खाते में 2.70 लाख रुपये मंगा लिए। 23 फरवरी 2023 को दाखिले को फर्जी करार दिया गया। अब छात्र का भविष्य

भी अंधकार में चला गया है। एसएसपी के निर्देश पर कैंट पुलिस आरोपी लिपिक पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। कोतवाली इलाके के दीवान बाजार के श्रीप्रकाश गुप्ता ने तहरीर देकर पुलिस को बताया कि बेटे राहुल गुप्ता के बीटेक कंप्यूटर साइंस में दाखिले के लिए वरिष्ठ लिपिक रवि मोहन श्रीवास्तव से संपर्क किया था। लिपिक ने बताया कि विश्वविद्यालय में कर्मचारी कोटा है, जिसके अंतर्गत राहुल का दाखिला किया जा सकता है। उन्होंने 2.70 लाख की राशि व्यक्तिगत खाते में मांगी।

प्रॉपर्टी डीलिंग के विवाद में स्टांप वेंडर की हत्या, सिर पर मिले जख्म के निशान

गोरखपुर,(संवाददाता)। देवरिया तहसील में स्टांप वेंडर का कार्य करने वाले एक युवक के सिर पर धारदार हथियार से वार कर घायल कर दिया गया। इसके बाद उसे लेजाकर मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया। इसके बाद परिजनों को छत से गिरकर चोटिल होने की सूचना दी। परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंच गए, जहां हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के क्रम में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। लखनऊ में शव का पोस्टमार्टम कराकर गांव पहुंचे आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों के साथ ध्ुासवा चौराहे पर शव को सड़क पर रख प्रदर्शन करने लगे। आक्रोशित परिजन हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। परिजनों का आरोप था कि प्रॉपर्टी के एवज में दिये गए रुपये व जमीन संबंधित कागजात मांगने पर स्टांप वेंडर की हत्या की गई है। मृतक की पत्नी ने एक दोस्त, उसके तीन से चार अज्ञात साथियों व चौकीदार पर हत्या कर घटना को दुर्घटना बताने के लिए मनगढ़ंत कहानी रचने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। जाम हटवाने के दौरान पुलिस से जमकर झड़प हुई। पुलिस मुर्दाबाद व वापस जाओ के भी जमकर नारे लगे। बघौचघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत छितौनी के रहने वाले अजय मिश्रा उर्फ मंटू (42) पुत्र स्वर्गीय जगदंबा देवरिया तहसील में स्टांप वेंडर का काम करते थे। इसके अलावा वह प्रापर्टी डीलिंग का भी कार्य करते थे। परिजनों के अनुसार 11 दिसंबर की शाम को बरियारपुर थाना क्षेत्र के धुसवां चौराहे पर कुछ दोस्तों ने फोन करके मंटू को दावत पर बुलाया। आधी रात को मंटू के बड़े भाई विजय मिश्र के मोबाइल पर फोन आया कि मंटू छत से गिरकर घायल हो गए हैं। उनका महर्षि देवरहवां बाबा मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। आनन–फानन में परिजन भागते हुए अस्पताल पहुंचे, जहां से हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने 12 दिसंबर को मंटू को लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। मंटू का लखनऊ के अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां शनिवार को उनकी मौत हो गई। रविवार की सुबह परिजन लखनऊ से शव लेकर घर पहुंचे। हत्या का आरोप लगाते हुए परिजन कुछ गांव वालों के साथ धुसवां चौराहे पर पहुंच गए और शव को रास्ते में रखकर चक्का जाम कर दिया। मृतक के भाई विजय ने कहा कि उनके भाई की प्लानिंग के तहत हत्या की गई है। इधर, पुलिस ने जबरन सड़क जाम कर रहे लोगों को हटवाने का प्रयास हुआ तो भीड़ आक्रोशित हो गई। इस दौरान सीओ दीपक शुक्ला से जमकर तू–तू मैं–मैं हुई। पुलिस वापस जाओ और मुर्दाबाद के जमकर नारे भी लगे। मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर से मृतक के परिजनों ने भरण–पोषण और घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद से मृतक की पत्नी सरिता और बूढ़ी मां का रो–रो कर बुरा हाल है। मृतक के तीन छोटे–छोटे बच्चे हैं जिनमें से एक दिव्यांग है। सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला ने बताया कि संदिग्ध परिस्थिति में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हुई है। घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम किया था। लोगों को समझा कर जाम समाप्त कराया गया है।

दुल्हन के हाथ में सजी रह गई मेहंदी, नहीं आई बरात

बहराइच,(संवाददाता)। रिसिया थाना के एक गांव निवासी युवती की शनिवार को रानीपुर क्षेत्र से बरात आनी थी। शुक्रवार की शाम अचानक वर पक्ष पर दहेज में कार और पांच लाख रुपये की मांग कर सुबह बरात न लाने का आरोप लगाते हुए एसपी और डीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। कटिलिया भूपसिंह गांव निवासी एक व्यक्ति ने बताया बेटी की शनिवार को 12 बजे रानीपुर थाना के एक गांव से बरात आनी थी। आरोप है शादी वाले दिन से एक दिन पहले शाम को अचानक कार और पांच लाख रुपये की मांग दूल्हे पक्ष ने की। मांग पूरी ने होने पर बरात लाने से मना कर दिया। उनकी तरफ से शादी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थी जिस पर लगभग 15 लाख रुपये का खर्च आया है। टेंट लगवाया गया, पकवान बनाने के लिए सभी तैयारी कर ली गई थी। बेटी के हाथ में मेहंदी लगी रह गई। इंतजार के बाद भी बरात न आने पर डीएम और एसपी को शिकायती पत्र देकर केस दर्ज किए जाने की मांग की है। शादी से पहले दोनों पक्ष के लोगों में किसी मांग को लेकर पांच दिन पहले विवाद हो गया था। इसमें दोनों पक्षों ने पंचायत की थी और शादी न करने पर दो लाख रुपये वधू पक्ष को देने की बात तय हुई थी। शनिवार को पुलिस में मामला आने पर डेढ़ लाख रुपये देने के बाद शादी न करने की बात पर समझौता हुआ था। इसके बाद वधू पक्ष लौट गया था।

पिता-पुत्र पर मारपीट का केस दर्ज हुआ

बस्ती,(संवाददाता)। आमा गांव निवासी शिवकुमार विश्वकर्मा ने गौर पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह शुक्रवार को शौचालय निर्माण के लिए ट्रॉली से ईंट गिरवा रहे थे। तभी गांव के लाला और उनके पिता कोदई आए और कहा कि रास्ते में ट्रॉली खड़ा कर मार्ग अवरुद्ध कर दिए हो। इस पर उन्होंने कहा कि थोड़ी देर में ट्राली हट जाएगी। इसी बात पर दोनों में कहासुनी होने लगी। शिवकुमार जैसे ही अपने घर के बरामदे में गए पिता–पुत्र ने शिवकुमार को मारने–पीटने लगे। इससे वह घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक गौर रामकुमार राजभर ने बताया कि तहरीर के आधार पर पिता–पुत्र पर मारपीट का केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

नौकरी दिलाने के नाम पर की 10 लाख की ठगी

बस्ती,(संवाददाता)। जय किसान इंटर कॉलेज लालपुर इमलियाधीश में चतुर्थ श्रेणी कर्मी की नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने शत्रुधन सिंह निवासी ग्राम बानडीह उर्फ मिश्रौलिया की तहरीर पर शिवांशु मिश्रा, वंदना मिश्रा निवासी ग्राम इमलियाधीश, थाना पैकोलिया पर ठगी का केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। तहरीर में पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उनके भतीजे पवन कुमार सिंह की चतुर्थ श्रेणी पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर 9.65 लाख रुपये बैंक खाते तथा 35 हजार नकद ले लिए। पुलिस का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है।

चार छुट्टा पशुओं को पकड़कर भेजा गोशाला

बस्ती,(संवाददाता)। कोरमा गांव में शनिवार को चार छुट्टा पशुओं को पकड़कर गोशाला में भेजा गया। किसानों ने कहस कि छुट्टा पशु फसल को चर ले रहे थे। किसान सुखराम, रामदास, लल्लू आदि की शिकायत को पंचायत विभाग ने संज्ञान में लेकर चार छुट्टा पशुओं को कैटल कैचर से पकड़ कर सिकंदरपुर गोशाला भेजवाया। कैटल कैचर की गाड़ी के साथ तुरकौलिया न्याय पंचायत के मेट परमात्मा यादव, सफाई कर्मचारी नागेंद्र आदि सफाई कर्मी की मदद से चार गोवंश को पकड़ा।

गर्भपात कराने के आरोप में केस दर्जा

बस्ती,(संवाददाता)। एसपी के आदेश पर किशोरी को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने तथा गर्भपात कराने के आरोपी पर कलवारी पुलिस ने केस दर्ज किया है। एसपी को दी गई तहरीर में पीड़िता की मां ने लिखा है कि 16 वर्षीय बेटी को गांव का ही युवक दिलीप चौधरी शादी का झांसा देकर तीन साल से दुष्कर्म करता रहा। इसी दौरान वह गर्भवती हो गई। नौ नवंबर को युवक बेटी को ले जाकर दवा खिला दी। इससे उसका गर्भपात हो गया। जब वह आरोपी के घर उलाहना देने गई तो उसके पिता तथा आरोपी ने जातिसूचक गाली देते हुए।

लोक अदालत में 84 हजार वादों का किया गया निस्तारण

बस्ती,(संवाददाता)। राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर शनिवार को जनपद न्यायालय समेत कलक्ट्रेट एवं सभी तहसील मुख्यालयों पर लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान सुलह–समझौते के आधार पर विभिन्न प्रकार के 84,456 वादों का निस्तारण किया गया। इसमें बैंक ऋण से संबंधित 60,644 मामले शामिल रहे। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से जुड़े कुल 134 मामला निस्तारित किए गए। इससे क्षतिपूर्ति के रूप में तीन करोड़ 11 लाख 14200 रुपये की धनराशि प्राप्त की गई। जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनय कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर जिला जज अनिल कुमार की देखरेख में जनपद न्यायालय परिसर, सभी ग्राम न्यायालय, सभी तहसील, राजस्व न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान आपराधिक वादों के निस्तारण में 2 लाख 73 हजार 890 रुपये अर्थदंड एवं अन्य मामलों में कुल 91 लाख 68 हजार 93 रुपये प्राप्त किए गए। कुल चार करोड़ 23 लाख 73 हजार 183 रुपये की वसूल की गई है। परिवार न्यायालय से 66 मामले निस्तारित हुए। भानपुर संवाद के अनुसार तहसील एवं ग्राम न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत में 2048 मामले प्रस्तुत किए गए। अधिकारियों ने 2155 मामले निस्तारित किए। सुलह–समझौते के आधार पर न्यायाधिकारी गौरवदीप सिंह की सुनवाई में ईचालान, भारतीय न्याय संहिता व आदि वाद से संबंधित मामले निस्तारित किए गए। एसडीएम व सोनहा के न्यायालय में राजस्व संहिता, फौजदारी व अन्य वादों के मामलों का निस्तारण कराया गया।

खैर साहब की दरिया दिली को याद कर भावुक हुए लोग

बस्ती,(संवाददाता)। खैर इंडस्ट्रियल कॉलेज ओल्ड बॉयज एसोसिएशन की मुहिम आगे बढ़ चुकी है। पदाधिकारियों की पहल पर शनिवार को विद्यालय के संस्थापक स्व. अलहज मोहम्मद अबुल खैर की जयंती खैर डे के रूप में मनाई गई। इसमें शिक्षक, अभिभावक, बच्चे एवं पुरातन छात्रों ने हिस्सा लिया। इस दौरान खैर साहब की दरिया दिली की चर्चा हुई। उन्हें याद कर लोग भावुक हो गए। एसोसिएशन की तरफ से खैर डे हर साल आयोजित करने का संकल्प लिया गया। आयोजन की शुरुआत सुबह प्रभात फेरी से की गई। खैर इंडस्ट्रियल इंटर कॉलेज के बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। यह गांधीनगर मार्ग से होते हुए जीआईसी से वापस विद्यालय पर आकर समाप्त हुई। इसके बाद विद्यालय परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जय ओरी बाबा मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के सहयोग से बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान लोगों को स्वस्थ रहने के लिए परामर्श दिए गए। इसके बाद श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में लोगों ने खैर साहब के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। ओल्ड बॉयज एसोसिएशन के महासचिव अकबर अली ने कहा कि खैर साहब किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह एक नेकदिल इंसान थे। उन्होंने सीमित संसाधनों के दौर में भी बालक–बालिकाओं के लिए अलग–अलग विद्यालयों की स्थापना की। उनके आदर्शों पर हमें निरंतर चलना चाहिए। उनकी सोच समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा से जोड़कर उन्नति का मार्ग दिखाना है। कॉलेज के प्रिंसिपल वहीदुद्दीन मलिक ने भी खैर साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक हमीदुल्लाह खान, श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे

राजस्व के 13 मामले आए निस्तारण एक का भी नहीं

बस्ती,(संवाददाता)। नगर थाना परिसर में शनिवार को समाधान दिवस की अध्यक्षता करने के लिए पहुंचे डीएम रवीश गुप्ता व एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी के सामने फरियादियों का तांता लग गया। दोनों अफसरों ने फरियादियों की शिकायतों को सुनकर अफसरों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान राजस्व के 13 मामले आए। मगर, निस्तारण एक का भी नहीं हो पाया। डीएम ने समाधान दिवस पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी शिकायतों की मौके पर जाकर जांच करते हुए समय अवधि के भीतर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निस्तारण में गुणवत्ता का पूरा ख्याल रखा जाए। इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में थाना प्रभारी नगर देवेंद्र सिंह, फुटहिया चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी, उपेंद्र शर्मा, समरजीत यादव, लेखपाल सुरेंद्र सिंह, दिनेश कुमार यादव आदि मौजूद रहे। छावनी संवाद के अनुसार, थाने पर क्षेत्राधिकारी हरैया संजय सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। 27 प्रर्थना पत्र आए, सभी राजस्व से संबंधित थे। छह मामलों का निस्तारण मौके किया गया। शेष पर निस्तारण के लिए टीम बनाई गई है। समाधान दिवस में थाना प्रभारी विजय कुमार दूबे के अलावा पुलिस व राजस्व के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। वाल्टरगंज संवाद के अनुसार, थाना परिसर में शनिवार को नायब तहसीलदार भानपुर पूजा वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित थाना दिवस में एक भी मामले का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। समाधान दिवस में राजस्व विभाग से संबंधित 14 मामले पंजीकृत हुए, लेकिन सभी मामले जांच की प्रक्रिया में लंबित रह गए। प्रभारी निरीक्षक मोतीचंद ने बताया कि सभी मामलों के लिए टीम गठित कर दी गई है। इस मौके पर चौकी प्रभारी गनेशपुर चंद्र प्रकाश यादव, प्रदीप सिंह, हजारी प्रसाद भास्कर, बेचन यादव,सर्वोदय पांडेय,साहब प्रसाद आदि मौजूद रहे।

जंगल सफारी में बाघ को टहलता देख रोमांचित हुए पर्यटक

बहराइच,(संवाददाता)। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग इन दिनों पर्यटकों से गुलजार है। वहीं पर्यटकों को लगातार बाघ के दीदार भी रहे हैं जिससे उनकी खुशी दोगुनी हो गई है और पर्यटक रोमांचित हो रहे हैं। शुक्रवार को भी जंगल सफारी पर निकले पर्यटकों की जिप्सी के आगे बाघ विचरण करता दिखा। इससे पर्यटक रोमांचित हो गए और इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। जो तेजी से वायरल हो रहा है। मिहींपुरवा तहसील में 551 वर्ग किलोमीटर में फैला कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग जैव विविधताओं से भरा हुआ है। यहां 59 बाघ, 200 से अधिक तेंदुए, 200 से अधिक हाथी और 7000 से अधिक हिरण, सांभर व चीतल, आठ गैंडे समेत भारी मात्रा में मगरमच्छ आदि पाए जाते हैं। इनके दीदार के लिए भारी मात्रा में देशी व विदेशी पर्यटक कतर्नियाघाट पहुंच रहे हैं। अधिकांश पर्यटक बाघ, तेंदुए, गैंडा व हाथी की झलक पाने की उम्मीद में कतर्नियाघाट पहुंचते हैं। पर्यटकों की इस उम्मीद को बीते कई दिनों से लगातार बाघ पूरा कर रहे हैं, इससे पर्यटक रोमांचित हैं। शुक्रवार को जिप्सी से जंगल सफारी पर निकले पर्यटकों के एक दल के सामने अचानक बाघ पहुंच गया।

समाधान दिवस में 193 शिकायत में 38 का निस्तारण

बहराइच,(संवाददाता)। जिले में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में सभी 22 थानों पर कुल 193 शिकायतें आईं जिसमें से मौके पर 38 शिकायतों का निस्तारण हो गया। वहीं, पुलिस से संबंधित 22 शिकायतों में से 19 का मौके पर निस्तारण किया गया और अन्य सभी राजस्व विभाग से संबंधित रही। समाधान दिवस पर देहात कोतवाली में पांच शिकायतों में से दो, कैसरगंज कोतवाली में 16 शिकायतों में से चार, नानापारा कोतवाली में 16 में चार, मुर्तिहा कोतवाली में नौ में दो, रिसिया में 11 में दो, रूपईडीहा में दस में तीन, फखरपुर पांच में तीन, बौंडी 15 में तीन, जरवलरोड 14 में दो, हुजूरपुर 21 में दो, पयागपुर में 13 शिकायतों में चार, रानीपुर में चार में एक, मटेरा सात में एक, मोतीपुर तीन में एक, सुजौली एक, बौंडी पांच में शून्य, खैरीघाट 20 में दो और रामगांव थाना में आई पांच शिकायतों में से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं, विशेश्वरगंज में चार, सुजौली में एक, हरदी में सात, मोतीपुर चार और नबावगंज में तीन में से एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हुआ। दरगाह थाना के बख्शीपुरा चांदमारी निवासी अनीता सिंह ने बताया छह दिसंबर को घर में घुसकर सरस्वती नगर निवासी दो युवकों ने लाठी–डंडों से पीटा, गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस से शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इलाज के लिए पैसे न होने की भी जानकारी दी। पुलिस से आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। दरगाह शरीफ के मंसूरगंज निवासी मुमताज अली ने बताया बेटी की शादी तीन माह पहले रिजवान से की थी।

हाथियों का उत्पात जारी, चेन लिंक फेंसिंग तोड़ डाली

बहराइच,(संवाददाता)। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग में वन्य जीवों के हमले रोकने के लिए बनी चेन लिंक फेंसिंग को हाथियों ने तोड़कर फसलों को तबाह कर दिया। हाथी ग्रामीण क्षेत्रों के खेत में घुसकर फसलों के साथ आम लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। नौतोड़ गांव में हाथी ने गेहूं की फसल को नष्ट कर दिया है। निशानगाड़ा रेंज अंतर्गत नौतोड़ गांव में शनिवार को सुबह चार बजे वन विभाग की ओर से लगाए गए चौन लिंक फेंसिंग को तोड़कर एक जंगली हाथी खेत में पहुंचकर किसान नंदलाल, सूबेदार, इंद्रदेव की गेंहू की लगभग दो बीघा गेंहू की फसल को नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों ने शोर शराबा कर हांका लगाकर किसी तरह हाथी को भगाया।

अल्लू अर्जुन-चिरंजीवी फिर आए साथ

रविवार को प्रशंसकों के लिए एक खुशी की बात यह रही कि अल्लू अर्जुन ने अपने चाचा टॉलीवुड मेगास्टार चिरंजीवी से उनके घर पर मुलाकात की। यह भावनात्मक मुलाकात अर्जुन के लिए एक चुनौतीपूर्ण सप्ताह के बाद हुई, जिन्हें हाल ही में पुष्पा 2ः द रूल के प्रीमियर पर एक दुखद घटना के बाद गिरफ्तार किया गया था। कार्यक्रम में हुई अफरा-तफरी के कारण एक प्रशंसक की मौत हो गई और उसका बेटा घायल हो गया, जिससे अभिनेता पर आरोप और कानूनी मुसीबतें बढ़ गईं। अल्लू अर्जुन के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए चिरंजीवी ने अपनी फिल्म विश्वम्भर की शूटिंग रद्द कर दी। गिरफ्तारी के तुरंत बाद वह अपनी पत्नी सुरेखा के साथ अर्जुन के घर गए। आभार व्यक्त करने के लिए अर्जुन अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी और अपने बच्चों के साथ चिरंजीवी के घर गए। मुलाक़ात की तस्वीरें, जिसमें मुस्कान और गर्मजोशी दिखाई दे रही है, वायरल हो गई हैं, जिससे प्रशंसक खुश हैं। इस मुलाकात ने मेगा और अल्लू परिवारों के बीच दरार की अफवाहों को भी खत्म कर दिया है। तनावपूर्ण संबंधों के बारे में पिछली अटकलों के बावजूद, इस मुलाकात ने साबित कर दिया कि परिवार सबसे पहले आता है, खासकर कठिन समय में। रिपोर्ट्स के मुताबिक चिरंजीवी ने अर्जुन को अंतरिम जमानत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। इस बीच, अर्जुन ने मृतक प्रशंसक के परिवार के लिए 25 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है और उसके बेटे के इलाज का खर्च उठाने का वादा किया है। हालाँकि अर्जुन की कानूनी परेशानियाँ अभी खत्म नहीं हुई हैं, लेकिन इस मुलाकात ने उम्मीद और सकारात्मकता का संचार किया है। प्रशंसक दोनों सितारों के बीच के बंधन का जश्न मना रहे हैं और इसे एकता का एक शक्तिशाली प्रदर्शन बता रहे हैं।

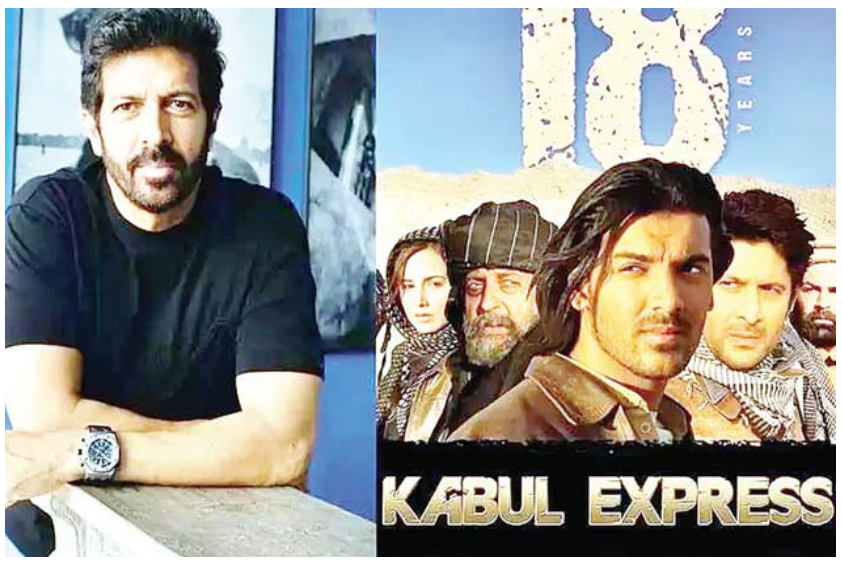

कबीर ने अपनी पहली फिल्म काबुल एक्सप्रेस के 18 साल पूरे होने का जश्न मनाया

हिंदी सिनेमा में अपनी पहली फिल्म काबुल एक्सप्रेस के 18 साल पूरे होने पर फिल्म निर्माता कबीर खान ने कहा कि पहला हमेशा सबसे खास होता है। कबीर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया, जिसमें जॉन अब्राहम और अरशद वारसी भी हैं। पोस्टर पर लिखा है काबुल एक्सप्रेस के 18 साल पूरे होने का जश्न। कैप्शन के लिए कबीर ने लिखाः पहला हमेशा सबसे खास होता है। कबीर ने 25 साल की उम्र में गौतम घोष द्वारा निर्देशित डॉक्यूमेंट्री फिल्म बियॉन्ड द हिमालयाज़ के लिए सिनेमैटोग्राफर के रूप में अपना करियर शुरू किया। इसके बाद उन्होंने सुभाष चंद्र बोस की इंडियन नेशनल आर्मी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री द फॉरगॉटन आर्मी से अपना निर्देशन शुरू किया। उन्होंने 2006 में यशराज फिल्म्स द्वारा समर्थित एडवेंचर थ्रिलर काबुल एक्सप्रेस के साथ मुख्यधारा के निर्देशन की शुरुआत की। उनके अनुसार, यह फिल्म तालिबान के बाद के अफगानिस्तान में उनके और उनके दोस्त राजन कपूर के अनुभवों पर आधारित थी। फिल्म में दो भारतीय पत्रकारों, एक अमेरिकी पत्रकार और एक अफगान गाइड की कहानी बताई गई है, जिन्हें पाकिस्तानी सैनिकों ने बंधक बना लिया है। उन्हें युद्धग्रस्त देश में 48 घंटे की यात्रा करने के लिए मजबूर किया जाता है। फिल्म ने विवादों का भी खूब सामना किया। 2007 में, अफगानिस्तान की सरकार, जिसने पहले देश में फिल्म की शूटिंग का समर्थन किया था, ने फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया, जबकि यह आधिकारिक तौर पर वहां रिलीज नहीं हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार, फिल्म पर प्रतिबंध इसलिए लगाया गया क्योंकि इसमें जातीय हजारा शिया अल्पसंख्यक समुदाय का कथित रूप से नस्लवादी चित्रण किया गया था, जो अफगानिस्तान में चार सबसे बड़ी जातियों में से एक है। काबुल एक्सप्रेस के बाद, कबीर ने न्यू यॉर्क, सलमान खान अभिनीत एक्शन थ्रिलर एक था टाइगर, बजरंगी भाईजान, फैंटम और 83 बनाई। उनकी सबसे हालिया रिलीज कार्तिक आर्यन अभिनीत चंदू चैंपियन है, जो एक बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा है। अभिनेता ने भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई थी। फिल्म में एक असाधारण व्यक्ति की कहानी बताई गई है।

निखिल ने बिग बॉस तेलुगू सीजन 8 का खिताब जीता

निखिल मलियाक्कल ने रोमांचक फिनाले में बिग बॉस तेलुगु सीजन 8 के विजेता के रूप में उभरे। बहुत धूमधाम से आयोजित इस कार्यक्रम में मेगापावर स्टार राम चरण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जिससे शाम का रोमांच और बढ़ गया। निखिल को प्रतिष्ठित ट्रॉफी और 55 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला, जो उनके करियर का एक गौरवपूर्ण क्षण था। अपने ड्रामा और आकर्षक कार्यों के लिए मशहूर इस सीजन का समापन निखिल द्वारा 100 दिनों से अधिक की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद साथी फाइनलिस्टों को हराने के साथ हुआ।

लावण्या त्रिपाठी ने शादी के बाद अपनी पहली फिल्म की घोषणा की

मेगा बहू लावण्या त्रिपाठी ने अपनी शादी के बाद अपनी फिल्म की घोषणा की। उन्होंने पिछले साल वरुण तेज के साथ शादी की और फिल्मों से करीब एक साल का ब्रेक लिया। इस बात की भी खूब चर्चा हुई कि लावण्या ने फिल्मों को अलविदा कह दिया है। लेकिन आज अपने जन्मदिन के मौके पर उन्होंने एक नई फिल्म की घोषणा कर सबको चौंका दिया। हालांकि इस फिल्म के साथ टाइटल कार्ड कोनिडेला लावण्या त्रिपाठी का पहली बार इस्तेमाल किया जा रहा है। लावण्या त्रिपाठी ने घोषणा की है कि वह %साथी लीलावती% नाम की एक फिल्म बना रही हैं। आज अपने जन्मदिन के मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर

एक वीडियो शेयर किया। इस नई फिल्म का निर्देशन तातिनेनी सत्याने कर रहे हैं, जिन्होंने भीमिली कबड्डी टीम फिल्म से प्रसिद्धि पाई थी। फिल्म का निर्माण नागामोहन बाबू.एम और राजेश.टी द्वारा दुर्गादेवी पिक्चर्स और ट्रायो स्टूडियो के बैनर तले किया जाएगा।

कॉफी डेट पर बॉयफ्रेंड के साथ स्पॉट हुई त्रिप्ति डिमरी

कार्तिक आर्यन के साथ हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में काम करने वाली अभिनेत्री त्रिप्ति डिमरी ने हाल ही में रविवार, 15 दिसंबर को मुंबई में अपने ब्वॉयफ्रेंड-बिजनेसमैन सैम मर्चेंट के साथ रोमांटिक कॉफी डेट का आनंद लिया। इस जोड़े को पपराज़ी द्वारा देखे जाने के बाद, त्रिप्ति ने तस्वीरें खिंचवाईं, लेकिन बाद में उनसे अनुरोध किया कि वे उन्हें रिकॉर्ड करना बंद

कर दें। त्रिप्ति को पपराज़ी से यह कहते हुए सुना गया, जाओ, जाओ, प्लीज़। हो गया, और उन्हें जाने के लिए इशारा किया। अपने आउटफिट को कैज़ुअल रखते हुए, अभिनेत्री ने एक ओवरसाइज़्ड ब्लैक टी-शर्ट पहनी थी, जिसे डिस्ट्रेस्ड ब्लू डेनिम जींस के साथ पेयर किया था और एक ब्लैक प्राडा शोल्डर बैग कैरी किया था। उन्होंने अपने आउटफिट को ब्लैक सनग्लासेस के साथ पूरा किया और अपने बालों को खुला छोड़ा था। यह पहली बार नहीं है जब त्रिप्ति को उनके कथित ब्वॉयफ्रेंड सैम के साथ देखा गया है। हाल ही में, उन्हें मुंबई में सैम मर्चेंट के साथ 12 लाख रुपये के स्कूटर पर देखा गया था। दोनों की आउटिंग लोगों का ध्यान खींचती रहती है क्योंकि उन्हें अक्सर शहर में एक साथ समय बिताते हुए देखा जाता है।कुछ दिन पहले, त्रिप्ति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे, क्योंकि उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड सैम के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट करना शुरू किया था।द्यह्यश ऋद्धड्डस्त्र – ञ्जड्डङ्घद्यड्ड कलाकार जाकिर नहीं रहे हालांकि, त्रिप्ति ने सैम के साथ अपने लिंक-अप की अफवाहों का कभी खंडन या पुष्टि नहीं की।डिमरी के बारे में पहले अफवाह थी कि वह अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश शर्मा के साथ रिलेशनशिप में हैं। दिसंबर 2022 में, यह बताया गया कि दोनों अलग हो गए हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो त्रिप्ति अगली बार धड़क 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह इसी नाम की 2018 की फिल्म का सीक्वल है।

एक्टर बनने के लिए 16 साल की उम्र में घर से भाग गए थे हर्षवर्धन राणे

एक्टर हर्षवर्धन राणे आज यानी 16 दिसंबर को अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं. कई बॉलीवुड फिल्मों में नजर आए हर्षवर्धन के अंदर एक्टर बनने के लिए 16 साल की उम्र में घर छोड़ दिया था. उनका जन्म 1983 में आंध्र प्रदेश के राजमहेंद्रवरम में हुआ था, सोशल मीडिया पर एक्टर को फैंस ढेर सारी जन्मदिन की बधाई भेज रहे हैं. टेलीविजन से अपने करियर की शुरुआत करने वाले हर्षवर्धन राणे साउथ की कई फिल्मों में काम कर चुके हैं. उन्होंने 'ना इष्टम', 'अवुनु दोनों', 'प्रेमा इश्क काधल', 'अनामिका' और 'माया' समेत कई सफल तेलुगु फिल्मों में काम किया.हर्षदीप, यहां जानिए 'सनम तेरी कसम' से हुए हिट 'सनम तेरी कसम' फेम एक्टर हर्षवर्धन राणे पिछले 10 साल से अधिक समय तक एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं. इस दौरान उन्होंने तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम किया और अपनी अलग पहचान बनाई. हालांकि फैंस का मानना है कि हर्षवर्धन राणे को बॉलीवुड में जो खास पहचान मिलनी चाहिए थी वो नहीं मिली. 'सनम तेरी कसम' की सक्सेस के बावजूद वो लंबे समय तक बॉलीवुड से दूर रहे, लोग उन्हें भूलने भी लगे थे. बहुत कम लोग जानते हैं कि एक्टर हर्षवर्धन राणे अपने एक्टिंग के सपने को पूरा करने के लिए 16 साल की उम्र में घर से भाग गए. उनके चाहने वालों ने एक्टर के फैसले को 'पागलपन' कहा, क्योंकि इंडस्ट्री में न तो उनका कोई 'गॉडफादर' था और न ही कनेक्शन.हालांकि हर्षवर्धन अगर घर से ना भागते तो शायद वो आज एक्टर ना होते. अपने एक इंटरव्यू में हर्षवर्धन ने बताया कि वो नेगेटिव रोल नहीं करना चाहते थे, उन्हें बॉलीवुड के कई विलेन के किरदार ऑफर हुए थे. हर्षवर्धन ने 2010 में तेलुगु फिल्मों से अपना फिल्मी करियर शुरू किया और 2016 में 'सनम तेरी कसम' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, इसके बाद 2018 में मल्टी-स्टारर पलटन में भी नजर आए. एक्टर बनने से पहले वो एक फ्रीलांसर के तौर पर इंडस्ट्री में काम किया करते थे, उन्होंने 2008 में हिंदी टीवी सीरीज 'लेफ्ट राइट लेफ्ट' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की ।

भाजपा संगठन चुनाव की प्रक्रिया के दौरान बवाल

आगरा,(संवाददाता)। आगरा में भाजपा के संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया के दौरान शनिवार दोपहर को नुनिहाई में बवाल हो गया। सीता नगर मंडल अध्यक्ष पद के लिए आवेदन करने आए युवा मोर्चा के पदाधिकारियों में एक–दूसरे पर टिप्पणी करने पर कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष महिला मोर्चा और सीता नगर मंडल प्रभारी की मौजूदगी में दावेदारों और उनके समर्थकों ने एक दूसरे को दौड़ाकर डंडों से पीटा। आधा घंटे तक हंगामा होता रहा। इस दौरान लोगों की भीड़ भी लग गई। नुनिहाई रोड पर जाम की स्थिति भी बन गई। बाद में दोनों पक्ष थाने पहुंच गए। केस दर्ज कराए गए हैं। शनिवार को नुनिहाई में शिव मंदिर में सीता नगर मंडल अध्यक्ष पद के दावेदारों के आवेदन की प्रक्रिया चल रही थी। मुख्य अतिथि ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष महिला मोर्चा रंजना पवार और सीता नगर मंडल की प्रभारी मौजूद थीं। ट्रांस यमुना कॉलोनी के भाजयुमो नेता पिंटू गुप्ता भी आए थे। आरोप है कि मंदिर के मुख्य गेट पर उन्हें सचिन भदौरिया, सौरभ ठाकुर, गौरव शर्मा, धीरज तोमर, अंकित वर्मा, मिलन ठाकुर ने टिप्पणी की। इसके बाद हमला बोल दिया। उन्हें और उनके साथ आए लोगों को डंडों से पीटा। हमलावरों ने जमीन पर गिराकर लात–घूंसों से पिटाई लगाई। इस पर लोग जुट गए। उन्हें किसी तरह बचाया गया। वह थाने आ गए। उधर, सचिन भदौरिया पक्ष के गौरव शर्मा ने पिंटू गुप्ता और उनके समर्थकों पर हमले का आरोप लगाया है। पुलिस को बताया कि वह समर्थकों के साथ मंडल अध्यक्ष की दावेदारी को आवेदन करने गए थे। वहां पर पिंटू गुप्ता ने बबलू यादव, हरजीत, ऋषि यादव, आशु पंडित, प्रवीन चौधरी सहित अन्य के साथ उन पर हमला बोल दिया। उन्हें और समर्थकों को कुल्हाड़ी, डंडों आदि से पीटा। थाना एत्माद्दौला के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चुनाव के दौरान दोनों पक्ष में झगड़ा हुआ था। एक पक्ष से पिंटू गुप्ता घायल हैं, दूसरे पक्ष से गौरव शर्मा और दीपक घायल हैं। तीनों का मेडिकल कराया है। पिंटू गुप्ता की तहरीर पर 12 नामजद और 10 अज्ञात, जबकि गौरव शर्मा की तहरीर पर 7 नामजद और 10 अज्ञात के मारपीट और बलवे की धारा में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मोर्चा के पद को लेकर बड़ी दावेदारी हो रही है। ट्रांस यमुना के पिंटू गुप्ता और सचिन भदौरिया में छह महीने से विवाद चल रहा है। दोनों खुद को युवा मोर्चा का मंडल अध्यक्ष होने का दावा करते हैं। पिंटू गुप्ता को पूर्व मंडल अध्यक्ष मंगल सिंह ने सीता नगर मंडल युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया था। जिसके एक महीने बाद महानगर अध्यक्ष युवा मोर्चा शैलू पंडित ने सचिन भदौरिया को सीता नगर मंडल का अध्यक्ष बना दिया। तब से दोनों में रार है।

रास्ते में ईंटों से कुचलकर मार डाला, परिवार ने लगाया कई आरोप

आगरा,(संवाददाता)। आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र के धनौली में एक युवक को उसी के साथियों ने शुक्रवार की देर शाम पीट–पीटकर मार डाला। जानकारी मिलते परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धनौली के लक्ष्मणपुरी निवासी 25 वर्षीय मोनू पुत्र बनवारीलाल मजदूर था। परिजनों ने पुलिस को बताया है कि शुक्रवार की दोपहर बस्ती के ही कुछ युवक मोनू के अपने साथ लेकर गए थे। रास्ते में मोनू से उन्होंने रूपये की मांग की। रुपये न देने पर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि कौशल्या गार्डन के समीप साथियों ने ईंट से मोनू पर हमला कर दिया। जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मोनू को तिरपाल से ढंककर फरार हो गए। इसकी सूचना मोनू के परिवार को देर शाम मिली। वे घटनास्थल पर पहुंचे। वहां से लहूलुहान मोनू को लेकर पास के ही निजी अस्पताल में ले गए। हालत नाजुक देख उसे एसएन अस्पताल भेज दिया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। मलपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार सैनी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

घर खरीदने से पहले जरूर देख लें ये दस्तावेज, बाद में नहीं पड़ेगा पछताना

आगरा,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में यदि आप कोई घर या कोई प्रॉपर्टी खरीदने जा रहे हैं, तो यह बेहद जरूरी है कि उसकी अच्छे से जांच पड़ताल कर लें। प्रॉपर्टी के मालिकाना हक और दस्तावेज की भी पड़ताल जरूरी है। सस्ते के लालच में जरा सा फिसले तो संभल नहीं पाएंगे। आगरा में 10 बिल्डरों के लुभावने वादों में आकर सैकड़ों घर खरीदार मेहनत की गाढ़ी कमाई गवां चुके हैं। इनके विरुद्ध 40 करोड़ से अधिक की रिकवरी की आरसी जारी हैं। बिल्डरों के विरुद्ध जारी आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) की वसूली के लिए गिरफ्तारियां तक हो रही हैं। इनके घर, मकान, दुकान से लेकर खेत–खलिहान तक कुर्क हैं। जिन प्रोजेक्ट में खरीदार फंसे वो बंद पड़े हैं। हैरत की बात है कि ऐसे बिल्डरों के रसूख के आगे पुलिस व प्रशासन भी लाचार है। एडीए, तहसील, कलेक्ट्रेट से लेकर कमिश्नरी तक घर खरीदारों को भटकना पड़ रहा है। कोई राहत नहीं मिल पाती। यह हाल तब है, जब रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) आरसी वसूली के लिए हर माह समीक्षा कर रहा है। फिर भी घर खरीदारों को न तो रकम मिल पा रही और न ही वो घर या फ्लैट जिसके लिए उन्होंने रकम गंवाई। ऐसे में सावधानी ही बचाव है। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी का कहना है कि रेरा के बकायेदारों से वसूली की जा रही है इसके लिए आरसी भी जारी की गई हैं।

एसीपी मोहसिन ने विदेशी मेहमानों तक को नहीं बख्शा

आगरा,(संवाददाता)। कानपुर में एसीपी साइबर क्राइम व कलक्टरगंज मोहम्मद मोहसिन खान पर आईआईटी से पीएचडी कर रही छात्रा ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। मामले में कल्याणपुर थाने में केस दर्ज कराया गया है। एसीपी मोहसिन खान कानपुर में तैनाती से पहले आगरा में तैनात थे। सीओ ताज सुरक्षा रहने के दौरान उन पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। आगरा में तैनाती के दौरान मोहसिन की जिम्मेदारी ताज का दीदार करने आए विदेशी पर्यटकों को खरीदारी कराने, घुमाने और उनकी सुरक्षा की थी। विदेशी पर्यटकों के साथ दोस्ती कर उन्हें खरीदारी कराने के लिए वे ऐसी दुकान पर ले जाते थे, जहां मोहसिन का कमीशन सेट था। इसके चलते मोहसिन मोटी कमाई कर रहे थे। दुकानदार से विवाद के बाद उनकी शिकायत तत्कालीन एसएसपी से हुई थी, लेकिन जांच में कोई दुकानदार सीओ के खिलाफ जाने को तैयार नहीं हुआ था, इसके बाद मोहसिन को ताज सुरक्षा से हटा दिया गया था। कलक्टरगंज में तैनाती के दौरान जुआरियों और सटोरियों से मोहसिन की जबरदस्त यारी थी। सूत्रों के अनुसार सर्किल के

थानेदार और साइबर सेल में मोहसिन के चर्चे होने लगे थे। एसीपी साइबर क्राइम व कलक्टरगंज मोहम्मद मोहसिन खान पर आईआईटी से पीएचडी कर रही एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाते हुए कल्याणपुर थाने में गुरुवार को केस दर्ज कराया है। युवती का आरोप है कि शादीशुदा होने के बावजूद एसीपी ने खुद को अविवाहित बताकर नजदीकियां बढ़ाईं। फिर शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण करते रहे। आला अधिकारियों ने मामले की जांच एडीसीपी ट्रैफिक अर्चना सिंह की अध्यक्षता वाली विशेष जांच टीम (एसआईटी) को दे दी है। साथ ही मोहसिन को लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। मूलरूप से लखनऊ के रहने मो. मोहसिन खान 2013 बैच के पीपीएस अफसर है।

धायल को ले पहुंचे अस्पताल...स्ट्रेचर को खुद मारा धक्काय ऐसे बचाई युवक की जान

आगरा,(संवाददाता)। एटा में इन दिनों भाजपा के सदर विधायक विपिन वर्मा डेविड चर्चाओं में हैं। दो दिन पहले जहां रोडवेज बस को धक्का लगाते हुए वीडियो वायरल हुआ था। अब एक घायल को अस्पताल में पहुंचाकर फिर सुर्खियों में आ गए हैं। सदर विधायक बृहस्पतिवार की रात एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। तभी उनकी नजर रेलवे रोड पर एक घायल युवक पर पड़ी जो सड़क पर खून में लथपथ पड़ा हुआ था। जिसके हाथ–पैरों में गंभीर चोटें लगी हुईं थीं। विधायक ने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई और स्थानीय लोगों की मदद से युवक को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। इस दौरान खुद ही उसे स्ट्रेचर पर ले गए। घायल युवक की पहचान मुन्नू सोलंकी के बेटे के रूप में हुई जो पोस्ट ऑफिस में कार्यरत है। विधायक ने बताया कि शादी समारोह से लौटते समय मैंने सड़क पर युवक को खून में लथपथ पड़ा देखा मौके पर पहले से मौजूद दो–तीन लोग एंबुलेंस का इंतजार कर रहे थे। युवक की हालत बहुत गंभीर थी मैंने अपनी गाड़ी में उसे बैठाया और अस्पताल पहुंचाया। मेडिकल कॉलेज में डॉ. ने युवक का तत्काल इलाज शुरू कर दिया, जिससे उसकी जान बच गई। युवक की हालत अब खतरे से बाहर है।

अलीगढ़ में बनेगा चार करोड़ रुपये से हेल्थ एवं डायलिसिस सेंटर

अलीगढ़,(संवाददाता)। दीन दयाल अस्पताल में डायलिसिस कराने आने वाले मरीजों को जल्द ही राहत मिलने वाली है। मरीजों को राहत देने के लिए 40 बेड का नया डायलिसिस व हेल्थ सेंटर स्थापित कराया जाएगा। नगर निगम ने पूरी रूप रेखा तैयार कर ली है। इसका प्रस्ताव तैयार हो चुका है। जल्द ही निर्माण शुरू होगा। नगर निगम शहर में एक हेल्थ एवं डायलिसिस सेंटर का निर्माण कराने जा रहा है। इसको लेकर पूरा खाका तैयार कर लिया है। चार करोड़ से इस सेंटर का निर्माण होगा। सेंटर पर मरीजों को न सिर्फ समुचित उपचार मिलेगा बल्कि किडनी रोगियों की डायलिसिस भी होगी। इसके लिए नगर निगम ने 40 बेड का डायलिसिस सेंटर स्थापित करन का निर्णय लिया है। जिसमें से 10 बेड पर हर दिन डायलिसिस होगी। 40 बेड का डायलिसिस और हेल्थ सेंटर का निर्माण कराया जाएगा। इसका प्रस्ताव तैयार है। आर्किटेक्ट से ले आउट तैयार कराना है। इस पर चार करोड़ खर्च आएगा। जल्द ही निर्माण शुरू होगा।–प्रशांत सिंघल, मेयर, नगर निगम पीपीपी मॉडल के तहत डीडीयू अस्पताल में डायलिसिस यूनिट स्थापित है। 10 बेड की डायलिसिस यूनिट में तीन शिफ्टों में ओपीडी पर्चे पर जांच के बाद डायलिसिस की जाती है। प्रतिदिन 20 से 25 मरीज इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। मरीजों की संख्या अधिक होने पर उन्हें अगले दिन की वेटिंग लिस्ट में रखा जाता है। वहीं, पुराने मरीजों को पहले से ही तारीख दिए जाने पर वेटिंग में चल रहे मरीजों के सामने समस्या खड़ी हो जाती है।

ग्वालियर हाईवे किनारे मिली युवती की लाश

आगरा,(संवाददाता)। आगरा के इरादतनगर क्षेत्र में ग्वालियर हाईवे किनारे खेत में युवती के गला रेतकर फेंके गए शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शिनाख्त के लिए तीन राज्यों की पुलिस से संपर्क किया। मगर, मृतका की पहचान नहीं हो सकी। वह कौन थी? उसे कहां से? कौन लेकर आया? यह सवाल ही बना हुआ है। आशंका यही है कि उसे कोई परिचित लेकर आया होगा। गला रेतने के बाद शव फेंककर भाग निकला। पुलिस ने डाक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया। अज्ञात में अंतिम संस्कार किया गया है। 9 दिसंबर को इरादतनगर में ग्वालियर हाईवे के पास नगला नीम में खेत में शव पड़ा मिला था। युवती की उम्र 28 वर्ष बताई गई। वह पीले रंग का सूट पहने थी। पास में ही कपड़ों की पोटली भी थी। पुलिस ने आसपास के इलाके में देखा। सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। मगर, युवती की पहचान नहीं हो सकी। आशंका जताई गई कि मध्य–प्रदेश और राजस्थान की सीमा नजदीक है। वहां से ही कोई उसे लेकर आया होगा। इस पर टीम गई। स्थानीय पुलिस को फोटो दिखाए, लेकिन युवती के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। हरियाणा और मथुरा भी टीम गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। डीसीपी पूर्वी जोन अतुल शर्मा ने बताया कि शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम के दौरान डीएनए सैंपल लिया गया है।

पहला पुरस्कार एलईडी टीवी जीत कर पुनीत कुमार हुए खुश

अलीगढ़,(संवाददाता)। अमर उजाला की ओर से आयोजित शुभ–लाभ महोत्सव का सिटी मेगा ड्रा 2024 का आयोजन 14 दिसंबर को तालानगरी कार्यालय में किया गया। इसमें पुनीत कुमार को पहला, प्रवीन राय को दूसरा, कमल ठाकुर को तीसरा, वेदप्रकाश द्विवेदी को चौथा और सुरेंद्रपाल को पांचवां पुरस्कार मिला। 03 अक्तूबर से 30 नवंबर तक लकी ड्रा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। लोगों ने खरीदारी करने के बाद क्यूआर कोड स्कैन किया और अपना फार्म भरा। विजेताओं को सभी पुरस्कार 20 दिसंबर 2024 से 10 जनवरी 2025 तक अमर उजाला तालानगरी कार्यालय में दिए जाएंगे। सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक पुरस्कार प्राप्त किए जा सकते हैं। हाथरस में ये पुरस्कार अक्रूर इंटर कॉलेज के बराबर अमर उजाला कार्यालय आगरा रोड हाथरस से मिलेंगे। दोपहर 12 बजे के करीब निकाले गए लकी ड्रा के दौरान राधेश्याम रोहिताश कुमार ज्वेलर्स से रोहिताश कुमार व मितांशु गुप्ता, वस्त्रलोक से कृष्णा जैन, अरोरा वस्त्र लोक से मोहित अरोरा, दक्ष कंप्यूटर से मुकेश गुप्ता, टाइटन शो रूम से ओम बाहरवानी और आरएस होंडा से पुनीत गुप्ता मौजूद रहे। इन सभी मेहमानों की उपस्थिति में लकी ड्रा निकाला गया। इस प्रतियोगिता का पहला इनाम 42 इंच का एलईडी टीवी पुनीत कुमार को मिला। दूसरे इनाम में प्रवीन राय को वाशिंग मशीन, कमल ठाकुर को तीसरे इनाम में साइकिल मिली है। चौथे इनाम में वेदप्रकाश द्विवेदी को इलेक्ट्रिक गीजर और सुरेंद्र पाल सिंह को पांचवें इनाम में सारेगाम कारवां का उपहार मिला है।

अलीगढ़ में फरवरी तक पीएनजी से जलने लगेंगे चूल्हे

अलीगढ़,(संवाददाता)। नए साल 2025 में फरवरी तक चार हजार घरों में पीएनजी पहुंचाई जाएगी। इसके लिए लगभग 25 किमी लंबी गैस पाइप लाइन बिछाई जा रही है। अधिकांश काम पूरा हो चुका है। इसके साथ ही सीएनजी के तीन स्टेशन भी खोले जा रहे हैं। इनमें एक हरदुआगंज, दूसरा एटा चुंगी रोड पर इंजीनियर्स कॉलोनी के पास और तीसरा स्टेशन एटा चुंगी चौराहे के पंप पर होगा। तीनों स्टेशन वर्तमान चालू पेट्रोल पंप पर ही खोले जाएंगे। अलीगढ़ में पीएनजी का काम लगभग तीन वर्ष पहले शुरू हुआ था। बीच में कोरोना काल का संक्रमण होने से काम की रफ्तार सुस्त पड़ गई थी। वर्ष 2023–2024 में इसका काम तेज गति से हुआ। अब पीएनजी के कनेक्शन घर–घर में दिए जा रहे हैं। सबसे पहले शहर की पॉश इलाकों, अपार्टमेंट और व्यवस्थित कॉलोनी में पीएनजी की आर्पूति की जाएगी। सीएनजी का नेटवर्क बढ़ने से उपभोक्ताओं को सस्ता ईंधन मिल सकेगा। 60 फीसदी ऑटो और टैक्सी के साथ 40 फीसदी निजी वाहन इनका प्रयोग कर रहे हैं। इससे अलीगढ़ का पर्यावरण सुरक्षित रहता। बीते एक वर्ष में तीस फीसदी वाहन सीएनजी ईंधन की ओर शिफ्ट हो चुके हैं।–विजय मंगल गुप्ता, अध्यक्ष, जिला अलीगढ़ पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन। नए साल में फरवरी से मार्च के बीच शहर के लगभग 3500 से 4000 घरों में पीएनजी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही तीन नए पंपों पर सीएनजी की सेवाएं मिलने लगेंगी। 25 किमी लंबी गैस पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है।–

गोमती किनारे चमका जैकेट उद्योग, महिलाओं को मिला रोजगार

सुल्तानपुर,(संवाददाता)। गोमती के किनारे बीहड़ में रोजगार की उम्मीद बेमानी सी दिखती है। पर सखौली खुर्द की मंजू पाल ने जैकेट उद्योग संचालित कर यह मिथक तोड़ दी है। वह अपने साथ और छह परिवारों की महिलाओं को कारोबार से जोड़कर उन्हें गांव में ही रोजगार दे रही हैं। जैकेट से लोगों को ठंड से बचाते हुए मंजू आत्मनिर्भर बन गई हैं। वर्ष 2016 में काजल महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर मंजू पाल ने रोजगार की तलाश शुरू की। पहले उन्होंने घर पर ही लोअर, टीशर्ट और शर्ट बनाने का काम शुरू किया। तीन साल बाद उन्होंने दो सिलाई मशीन लेकर ठंड के लिए जैकेट बनाने का काम शुरू कर दिया। काम ने गति पकड़ी तो पंजाब में रेडीमेड कपड़ों के काम से जुड़े उनके पति दिनेश पाल भी नौकरी छोड़कर गांव आ गए। फिर दोनों ने जैकेट बनाने का काम शुरू कर दिया। काम चल निकला तो पति ने लंभुआ बाजार में अपनी दुकान खोल ली। मंजू के मुताबिक उनके यहां बने जैकेट चांदा व दियरा की दुकानों पर आसानी से बिक जाते हैं। लखनऊ तक के लोग हाफ व फुल जैकेट लेने आते हैं। ऑर्डर के बाद पसंदीदा जैकेट भी बनाए जाते हैं। गांव की युवतियां व महिलाएं भी यहां प्रशिक्षण लेकर जैकेट बनाने के काम में लगी हैं। पिछले साल से मंजू ने ब्लेजर बनाने का काम भी शुरू कर दिया है। अत्याधुनिक पांच सिलाई मशीनों के अलावा कटिंग व अन्य मशीन भी खरीद करके उन्होंने इस उद्योग को मजबूती दी है। उन्होंने बताया कि गांव की महिलाएं जैकेट व ब्लेजर बनाकर खासी आय अर्जित कर रही हैं। उद्योग में उनके गांव की महिलाएं और युवतियां ही काम करती हैं। सर्दी शुरू होने के पहले ही मंजू पाल के गोदाम में जैकेट व ब्लेजर काफी मात्रा में तैयार हो जाते हैं। उसे मांग के मुताबिक चांदा, दियरा व लंभुआ की दुकानों पर भेज दिया जाता है। सामान्य दिनों में उनके यहां स्कूल ड्रेस, टी–शर्ट व लोअर बनाए जाते हैं। इसके लिए पंजाब से माल लाया जाता है। मंजू ने बताया कि हाफ जैकेट 650 से लेकर 1100 रुपये तक और फुल जैकेट 1000 से लेकर 2000 रुपये तक बनाए जाते हैं। कई विद्यालय उन्हें सीधे तौर पर स्कूल ड्रेस का आर्डर करते हैं। एनआरएलएम उपायुक्त केडी गोस्वामी ने बताया कि महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों के रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

मंडल अध्यक्ष पद के लिए नामांकन, विवादित नेताओं के नाम होंगे सूची से बाहर

अलीगढ़,(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी में अनुशासनहीन नेता मंडल अध्यक्ष नहीं बन सकेंगे। इसके अलावा किसी भी प्रकार के विवाद में शामिल होने की शिकायत सही मिलने वाले नेताओं के नाम भी सूची से बाहर होंगे। अलीगढ़ जिले के 27 मंडलों में 15 दिसंबर को मंडल अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किए जाएंगे। अंतिम सूची प्रदेश नेतृत्व को भेजी जाएगी। वहीं से मंडल अध्यक्षों की घोषणा होगी। भाजपा में मंडल अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया अंतिम दौर में है। इसी के तहत जिला चुनाव अधिकारी सत्यपाल सैनी 14 दिसंबर को अलीगढ़ आए और पार्टी कार्यालय में मंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि संगठन के चुनाव की प्रक्रिया लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत होगी। इसी के तहत सभी मंडलों में 15 दिसंबर को मंडल अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र लिए जाएंगे। इसी दौरान नाम वापसी भी होगी। 2019 से अब तक दो कार्यकाल में मंडल अध्यक्ष रहे नेता नामांकन नहीं कर सकेंगे। आयु सीमा 35 से 45 साल तय है। जो लोग 2024 में मंडल अध्यक्ष बने हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता तथा विवाद में शामिल रहे हैं और शिकायत सही पाई गई है तो उनके नाम भी सूची से बाहर कर दिए जाएंगे। बैठक में जिला अध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह लाला, जिला महामंत्री शिवनारायण शर्मा, जिला उपाध्यक्ष गौरव शर्मा आदि मौजूद रहे। भाजपा महानगर के आठ मंडलों में मंडल अध्यक्ष पद के लिए 16 दिसंबर को नामांकन होंगे। महानगर अध्यक्ष राजीव शर्मा ने बताया कि सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक नामांकन प्रक्रिया होगी। महानगर चुनाव अधिकारी राजीव गुंबर मौजूद रहेंगे। अंतिम सूची प्रदेश नेतृत्व को भेजी जाएगी। 20 से 25 दिसंबर के मध्य मंडल अध्यक्षों की घोषणा की जाएगी।

फिर टूटे लोहरामऊ रेलवे ओवरब्रिज के दो गर्डर

सुल्तानपुर,(संवाददाता)। भारी वाहनों के दबाव से टांडा–बांदा नेशनल हाईवे स्थित लोहरामऊ रेलवे ओवरब्रिज के दो गर्डर फिर टूट गए। ब्रिज के पास सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है। भारी वाहनों का आवागमन जारी रहने से टूटे गर्डर का दायरा बढ़ता जा रहा है। इससे अन्य वाहनों के लिए खतरा बन गया है। टांडा–बांदा हाईवे पर शहर के पास स्थित लोहरामऊ रेलवे ओवरब्रिज के दो गर्डर आठ माह बाद फिर टूट गए हैं। इससे पुल पर दोनों जगह गड्ढे बन गए हैं। सरिया क्षतिग्रस्त होकर बाहर निकल आई है। सरिया से वाहनों के पंक्चर होने की आशंका बढ़ गई है। गौरतलब है कि करीब आठ माह पहले ओवरब्रिज के दो गर्डर टूट गए थे। प्रशासन के निर्देश पर एनएचएआई ने रूट डायवर्जन करके सभी गर्डरों को दुरुस्त कराया था। आठ माह के भीतर फिर गर्डरों के टूट जाने व आसपास की सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने से ब्रिज निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा हो गया है। दिनरात भारी वाहनों के आवागमन से लगे झटकों से क्षतिग्रस्त हिस्से का दायरा बढ़ता जा रहा है। अधिक लोड वाले वाहनों के आवागमन के दौरान ब्रिज की सड़क टूटने का डर बना हुआ है। भारी वाहनों के गुजरते समय झटकों से ब्रिज हिल रहा है। फिलहाल ज्यादातर वाहन गर्डर के टूटे हिस्से को बचाते हुए गुजर रहे हैं। बाइक सवार व छोटे वाहनों के गड्ढे में फंसकर पलटने की आशंका बनी है।

ट्रेलर ने बाइक में मारी टक्कर

सुल्तानपुर,(संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में रविवार को ट्रेलर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा की मौत हो गई। जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसा धनपतगंज थाना क्षेत्र के पीरो सरैया गांव के पास हुआ। हलियापुर–बेलवाई मार्ग पर सुबह ट्रेलर ने बाइक में टक्कर मार दी। मृतका की पहचान सुख बडेरी मजरे रघुवीर का पुरवा अंतिमा (23) के रूप में हुई। वहीं पिता राम अजोर उर्फ कुबरी (55) का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बनी है। थाना प्रभारी राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि दुर्घटना की जानकारी है।

सीटेट परीक्षा के दौरान पकड़ा गया मुन्ना भाई

सुल्तानपुर,(संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में सीटेट की परीक्षा दूसरे विद्यार्थी के स्थान पर दे रहा मुन्ना भाई गिरफ्त में आया। शहर के गोपाल पब्लिक स्कूल में दूसरे की परीक्षा देते हुए मुन्ना भाई पकड़ा गया। नगर कोतवाली के आवास विकास कॉलोनी क्षेत्र स्थित विद्यालय का मामला है। नगर कोतवाली पुलिस ने मुन्ना भाई को हिरासत में लिया है।

ऑटो रिक्शा मालिक को 2.16 लाख रुपये की मिलेगी क्षतिपूर्ति

सुल्तानपुर,(संवाददाता)। सदर तहसील के ढाहा फिरोजपुर निवासी मोहम्मद जावेद खां ने ऑटो रिक्शा खरीदा था। उन्होंने इसका बीमा 24 जनवरी 2017 को दि न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से कराया था जो 23 जनवरी 2018 तक वैध था। 30 दिसंबर 2017 को घर जाते समय रास्ते में रिक्शा बंद हो गया और उसमें आग लग गई थी। मामले की सूचना बीमा कंपनी को दी गई लेकिन कंपनी ने क्षतिपूर्ति नहीं दी। इस पर मोहम्मद जावेद ने बीमा कंपनी के खिलाफ 26 सितंबर 2019 को जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। आयोग के अध्यक्ष रामलखन सिंह चंदरौल व सदस्य भारत भूषण तिवारी ने बीमा कंपनी को दो माह में ऑटो रिक्शा मालिक को 2,16,000 रुपये की क्षतिपूर्ति का भुगतान करने का आदेश दिया।

स्वीकृति व अनुश्री बनीं चौंपियन

सुल्तानपुर,(संवाददाता)। अयोध्या में आयोजित दो दिवसीय मंडलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में जिले की अनुश्री मिश्रा और स्वीकृति यादव ने अपने वर्ग में चौंपियन बनकर जिले का मान बढ़ाया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में दोनों बेटियों को सम्मानित किया गया। करौंदीकला ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय रामनगर पूरेहरदास की स्वीकृति यादव ने 100 मीटर दौड़ और लंबीकूद में गोल्ड पदक प्राप्त किया था। साथ ही 200 मीटर में रजत पदक प्राप्त कर प्राथमिक बालिका वर्ग की ओवरऑल चौंपियन बनीं। स्वीकृति को शिक्षक शैलेंद्र कुमार प्रशिक्षण दे रहे हैं। शिक्षिका दीपशिखा ने छात्रा को ग्लोब और स्पाइक देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक दया शंकर सरोज, विजेंद्र, नंदलाल, सुनीता, शिवकुमार, राजेंद्र, अभिषेक, विजय एवं राकेश यादव उपस्थित रहे। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक संजय सिंह ने बताया कि छात्रा को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारी कराई जाएगी ।

हनुमानगढ़ी में किया पूजन, बोले- मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा की जीत तय

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के अयोध्या में रविवार को एक होटल के उद्घाटन पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन किया। प्रदेश के कल्याण और विकास के साथ लोगों के हित के लिए प्रभु हनुमंतलला के श्री चरणों में कामना की है। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर में जब भी उपचुनाव घोषित होंगे। भाजपा की विजय सुनिश्चित है। यहां उन्हें सर्किट हाउस में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक करनी थी। लेकिन, अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित करना पड़ा। अयोध्या एयरपोर्ट पर ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को महाकुंभ से लौटने वाले दर्शनार्थियों के साथ मकर संक्रांति और बसंत पंचमी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एयरपोर्ट पर मौजूद सीएमओ डॉ. संजय जैन ने बताया कि अयोध्या में आने वाले समय में होने वाले मेलों के लिए उपमुख्यमंत्री ने कई निर्देश दिए हैं, इनका पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। एयरपोर्ट पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और डिप्टी सीएम के करीबी करुणाकर पांडेय ने समर्थकों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान डिप्टी सीएम ने भाजपा नेता करुणाकर को मिल्कीपुर उपचुनाव में पूरी ताकत के साथ जुटने की जिम्मेदारी सौंपी।

नोएडा अथॉरिटी के निलंबित अफसर के ठिकानों पर विजिलेंस का छापा

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में नोएडा विकास प्राधिकरण के तत्कालीन ओएसडी रवींद्र सिंह यादव के ठिकानों पर विजिलेंस ने शनिवार को छापेमारी की। टीम उनके नोएडा स्थित आवास और इटावा के स्कूल पहुंची। यहां काफी देर तक छानबीन की। रवींद्र यादव वर्तमान में निलंबित चल रहे हैं। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई। छापेमारी के बाद रवींद्र यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसकी जांचकी जा रही है। छापेमारी में भूखंड, स्कूल, कॉलेज आदि के दस्तावेज बरामद हुए हैं। ये संपत्तियां एटा, लखनऊ, नोएडा व अन्य जगहों की बताई जा रही हैं। छापेमारी में पता चला कि रवींद्र के पास नोएडा में तीन मंजिला मकान है। इसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपये है। इसके अलावा घर में 37 लाख रुपये के सुख–सुविधाओं का सामान व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगे हैं। छापेमारी में जो संपत्ति बरामद हुई है, उसमें 62 लाख 44 हजार के गहने हैं। साथ ही दो लाख 47 हजार रुपये की नकदी मिली है। टीम रवींद्र के घरवालों से पूछताछ कर रही है। उसके विदेश यात्रा से लेकर अन्य जानकारी जुटा रही है। घर से बरामद इनोवा व क्विड कार की भी जानकारी जुटा रही है। इसके अतिरिक्त विभिन्न बैंकों के छह खातों, पॉलिसियों और निवेश से संबंधी अभिलेख मिले हैं। अलग–अलग स्थानों पर करीब एक दर्जन भूमि खरीदने के भी कागज मिले हैं। मकान से अरिसटोटल वर्ल्ड स्कूल, मलाजनी, तहसील जसवंत नगर (इटावा) के पंजीकरण संबंधी कागजात भी मिले हैं। जांच के दौरान करीब 15 करोड़ संपत्ति के स्कूल का खुलासा हुआ। जो इटावा के जसवंत नगर स्थित अरिसटोटल वर्ल्ड स्कूल है। स्कूल सोसाइटी का अध्यक्ष रवींद्र का पुत्र निखिल यादव है। स्कूल में महंगे उपकरण एवं फर्नीचर लगाए गए हैं। इनकी कीमत दो करोड़ आंकी गई है। स्कूल में 1.04 करोड़ की 10 बसें संचालित हैं। अभी जांच जारी है।

एक तिहाई वक्फ संपत्तियां अवैध, शुरुआती पड़ताल में चौंकाने वाले तथ्य, सार्वजनिक भूमि चढ़ा दी गईं नाम

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में करीब एक–तिहाई से ज्यादा वक्फ संपत्तियां अवैध हैं। राजस्व विभाग की शुरुआती पड़ताल में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। सार्वजनिक भूमि को वक्फ (दान) कर दिया गया, जो नियमानुसार हो ही नहीं सकता था। हाईकोर्ट के आदेश से पूरे प्रदेश में शासन यह जांच करवा रहा है। अभी तक करीब 50 जिलों की रिपोर्ट मिल चुकी है। प्रदेश में वर्तमान में 1.10 लाख वक्फ संपत्तियां हैं, जिनका शासन स्तर से नोटिफिकेशन जारी हुआ है। रेवेन्यु रिकॉर्ड मैनुअल के अनुसार, श्रेणी 1 (क) की जमीन ही वक्फ या बेची जा सकती है। श्रेणी 1 (क) में निजी भूमि दर्ज होती है। कोई भूमि निजी है या नहीं, इसका मिलान 1 जुलाई 1952 के राजस्व रिकॉर्ड से किया जाता है। मैनुअल की श्रेणी (5) और (6) में दर्ज जमीन को वक्फ नहीं किया जा सकता। इन श्रेणियों में बंजर, चरागाह, वन भूमि, तालाब, ऊसर भूमि और ग्राम सभा की सार्वजनिक उपयोग वाली जमीनें आती हैं। ये जमीनें आरक्षित श्रेणी की होती हैं, जिनका प्रबंधन के लिहाज से मालिकाना हक सरकार, ग्राम सभा या अन्य निकायों में निहित होता है। विभिन्न जिलों के प्रशासन की अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 30 हजार संपत्तियां मूलरूप से श्रेणी (5) और (6) में दर्ज हैं। यानी, ये संपत्तियां निजी थी ही नहीं, इसलिए इन्हें वक्फ नहीं किया जा सकता था। सूत्र बताते हैं कि जो कब्रिस्तान ग्राम सभा की भूमि पर हैं, उन्हें भी वक्फ संपत्ति के तौर पर दर्ज करवा लिया गया है। नियमतः ये ग्राम सभा कब्रिस्तान के रूप में दर्ज होने चाहिए। यहां तक कि तमाम स्थानों पर मरघट (श्मशान भूमि) भी वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज हैं, जिसका मुस्लिम धर्म में प्रावधान ही नहीं है। सभी 75 जिलों की रिपोर्ट आने पर गलत ढंग से रिकॉर्ड में चढ़ाई गईं वक्फ संपत्तियों की संख्या 40 हजार से ऊपर जाने की संभावना है। हाईकोर्ट के निर्देशानुसार, शासन स्तर पर इनका परीक्षण करवाकर राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त कराया जाएगा।

जीआई की नर्स ने चोरी करते नौकरानी को पकड़ा

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पीजीआई अस्पताल में संविदा पर तैनात नर्स ने नौकरानी को घर में चोरी करते पकड़ लिया। विरोध पर आरोपी ने नर्स को धक्का दे दिया। उनका गला दबा कर हत्या का प्रयास करने की कोशिश की। घटना में उनकी कमर की हड्डी टूट गई। शनिवार को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पीजीआई के पंचम खेड़ा में अपर्णा अवस्थी पति दुर्गेश सिंह व बच्चों के साथ रहती हैं। अपर्णा पीजीआई अस्पताल में संविदा नर्स हैं। बीते मंगलवार को अपर्णा के बच्चे स्कूल व पति कुछ काम से बाहर गए हुए थे। नर्स घर में अकेली थीं। अपर्णा के मुताबिक दोपहर करीब 12.30 बजे वह अपने कमरे में सो रही थीं। तभी खटपट की आवाज आने पर उनकी आंख खुल गई। उन्होंने देखा कि मोहनलालगंज के भोला खुर्द केवली गांव निवासी नौकरानी गुडई उनके कमरे में रखी अलमारी से रुपये चुरा रही थी। अपर्णा ने जब विरोध किया तो गुडई ने गाली–गलौज करते हुए उनके बाल पकड़कर उन्हें धक्का दिया और फर्श पर गिरा दिया। जब तक वह उठ पातीं तभी नौकरानी अपर्णा के ऊपर चढ़ गई। गला दबा कर उनकी हत्या करने की कोशिश करने लगी। चीख पुकार सुन घर पहुंचे पड़ोसियों ने उनकी जान बचाई। इस बीच आरोपी गुडई पीड़िता को धमकाते हुए भाग निकली। हमले वह काफी चोटिल हो गईं। लोगों ने घटना की जानकारी उनके पति को दी। पड़ोसियों ने अपर्णा को एपेक्स ट्रामा सेंटर पहुंचया। यहां जांच में उन्हें पता चला कि उनकी कमर की हड्डी टूट गई है। पीड़िता ने आरोपी नौकरानी की शिकायत पीजीआई पुलिस से की है। इंस्पेक्टर पीजीआई रविशंकर त्रिपाठी के मुताबिक केस दर्ज कर नौकरानी की तलाश की जा रही है।

स्कूटी हटाने को लेकर हुआ विवाद, आरोपियों ने महिला को पीटा... धक्का देकर गिराया, हो गई मौत

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार रात दो पड़ोसियों में स्कूटी हटाने को लेकर विवाद हो गया। एक पक्ष से बीच–बचाव करने पहुंची महिला को आरोपियों ने धक्का दे दिया। घटना में उनकी मौत हो गई। महिला के बेटे ने आरोपी तीन दंपति समेत तीन के खिलाफ हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। हजरतगंज के नरही में रामशंकर बाजपेई लेन में रामगुनी चौहान (55) पति रमेश चौहान व बेटे सौरभ के साथ रहती थीं। सौरभ नरही बाजार में दुकान चलाते हैं। सौरभ के मुताबिक शनिवार रात वह घर पर थे। रात करीब साढ़े नौ बजे उन्होंने देखा कि उनके घर के सामने पड़ोसी महेश गुप्ता की स्कूटी खड़ी थी। सौरभ ने जब महेश से स्कूटी हटाने को कहा तो वह उसकी पत्नी सिंपल और बहन गुंजा गाली–गलौज करने लगे। विरोध पर आरोपी हाथापाई करने लगे। शोर सुन जब सौरभ की मां रामगुनी घर के बाहर आकर बीच–बचाव करने लगीं। तीनों आरोपी उनसे भी हाथापाई करने लगे। आरोपी है कि तीनों ने उनकी मां को धक्का दे दिया। मां गिरकर बेहोश हो गईं। रामगुनी को बेहोश देख आरोपी दंपति व बहन अपने घर में घुस गए। लोगों की भीड़ जुट गई। सौरभ मां को लेकर आनन–फानन सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव लेकर घर पहुंचे आक्रोशित सौरभ ने हंगामा शुरू कर दिया। लोगों ने घटना की जानकारी हजरतगंज पुलिस को दी। मौके पर एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह, एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल व इंस्पेक्टर विक्रम सिंह पुलिस बल के घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने उन्हें व अन्य लोगों को शांत कराया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसीपी विकास जायसवाल के मुताबिक मृतका के बेटी की तहरीर पर महेश, उसकी पत्नी सिंपल और बहन गुंजा के खिलाफ मारपीट व लापरवाही के कारण मौत होने की धारा में केस दर्ज किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सौरभ ने बताया कि आरोपी महेश का भाई कानपुर में पुलिस विभाग में दरोगा के पद पर तैनात है। आरोप है कि आरोपी भाई की धौंस दिखा कर मोहल्ले में दबंगई करता है। वह आए दिन गाली–गलौज व लोगों को प्रताड़ित करता है।

बीआईएस की जांच में खुलासा 15 हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार

लखनऊ,(संवाददाता)। बोतलबंद पीने के पानी को उच्च जोखिम की श्रेणी में रखा है। यूपी में इस्तेमाल होने वाले पैकेज्ड पेयजल के 40 फीसदी सैंपल बीआईएस की जांच में फेल हो गए हैं। इसे देखते हुए उत्पादन इकाइयों को पैकेज्ड पेयजल की

गुणवत्ता सुधारने की चेतावनी दी। साथ ही हर महीने सैंपल लिए जा रहे हैं। महाकुंभ के मद्देनजर विशेष निगरानी की जा रही है और अपंजीकृत बोतलबंद पानी बेचने वाली इकाइयों पर छापे मारने की तैयारी की जा रही है। प्रयागराज, बनारस व अयोध्या सहित प्रदेश के तमाम जिलों में बोतलबंद पानी की करीब 450 इकाइयां पंजीकृत हैं। इसके अलावा अपंजीकृत इकाइयों की संख्या लगभग 600 है। फ्लैवर्ड वाटर के नाम से अलग इकाइयां हैं, जो खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कंट्रोल में आती हैं। यूपी में ही बोतलबंद पानी का कारोबार 15 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का हो चुका है।

बढ़ता जा रहा बिजली निजीकरण के प्रस्ताव पर आक्रोश, पंचायत में निर्णय...होता रहेगा विरोध

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में पूर्वांचल और दक्षिणांचल बिजली निगमों को निजी हाथों में देने का विरोध बढ़ता जा रहा है। ऊर्जा संगठन निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को अभियंता संघ ने विभिन्न कार्यालयों पर शाम को सभाएं कीं तो वाराणसी में बिजली पंचायत हुई। ऑफिसर्स एसोसिएशन ने जनप्रतिनिधियों को पूरे मामले की जानकारी देते हुए उनसे सदन में यह मुद्दा उठाने का अनुरोध किया है। सपा–कांग्रेस व अन्य दलों के नेताओं ने इस मामले को लोकसभा एवं विधानसभा में उठाने का आश्वासन भी दिया है। कार्मिकों ने निजीकरण का विरोध जारी रखने का एलान किया है। पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन की शनिवार को फील्ड हॉस्टल में हुई बैठक में तय किया गया कि निजीकरण का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। क्योंकि निजीकरण के जरिये आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की साजिश हो रही है। पदाधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से भी निजीकरण का विरोध करने की अपील की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिन सांसदों–विधायकों ने पूरे मामले को लोकसभा एवं विधानसभा में उठाने का आश्वासन दिया है, उनका आभार जताया गया। इस दौरान संकल्प लिया गया कि कॉर्पोरेशन प्रबंधन की हर गतिविधि से उपभोक्ताओं और कार्मिकों को अवगत कराया जाएगा। पदाधिकारियों ने नियम विरुद्ध बने मसौदे को एनर्जी टास्क फोर्स में रखने और कैबिनेट में ले जाने की तैयारी पर नाराजगी जताई। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष केबी राम, कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, अनिल कुमार, आरपी केन, बिंदा प्रसाद, सुशील कुमार वर्मा, अजय कुमार व प्रभाकर आदि शामिल हुए। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन के पदाधिकारियों ने शनिवार को विभिन्न दलों के नेताओं से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल वल्लभ पटेल ने बताया कि एमएलसी आशुतोष सिन्हा, विधायक सौरभ जायसवाल और राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने आश्वासन दिया है कि इस मसले को सरकार तक पहुंचाएंगे। उपभोक्ता परिषद की ओर से ऊर्जा संरक्षण दिवस पर हुए वेबिनार में उपभोक्ताओं ने बिजली निजीकरण का प्रस्ताव वापस लेने की मांग की। उपभोक्ताओं ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी कहा था बिजली सस्ती नहीं, बहुत सस्ती हो और हमेशा सरकारी क्षेत्र में होनी चाहिए। इसके बावजूद प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी से निजीकरण की शुरुआत हो रही है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि सभी उपभोक्ताओं की बात से पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन को अवगत कराया जाएगा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से प्रदेशभर के बिजली कार्यालयों, परियोजना कार्यालयों पर कर्मियों ने विरोध सभाएं की। अभियंताओं ने प्रबंधन के फैसले के विरोध में नारेबाजी की। शनिवार शाम लखनऊ के शक्ति भवन, मध्यांचल सहित अन्य कार्यालयों के सामने जुटे बिजली कार्मिकों ने विरोध जताया। हाइडिल कॉलोनी में कार्मिकों व उनके परिजनों ने भी प्रदर्शन किया।

सीटेट परीक्षा के दौरान पकड़ा गया मुन्ना भाई दूसरे की जगह दे रहा था एग्जाम

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में सीटेट की परीक्षा दूसरे विद्यार्थी के स्थान पर दे रहा मुन्ना भाई गिरफ्त में आया। शहर के गोपाल पब्लिक स्कूल में दूसरे की परीक्षा देते हुए मुन्ना भाई पकड़ा गया। नगर कोतवाली के आवास विकास कॉलोनी क्षेत्र स्थित विद्यालय का मामला है। नगर कोतवाली पुलिस ने मुन्ना भाई को हिरासत में लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। नगर कोतवाल नारद मुनि सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

हड़ताल हुई तो बढ़ सकती है बिजली निगमों की मुसीबत

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के विरोध में हड़ताल हुई तो बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेपटरी हो जाएगी। क्योंकि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अभियंताओं की व्यवस्था में कई रोड़े हैं। पहले सिंचाई विभाग के अभियंताओं ने सहयोग से इन्कार कर दिया है। अब पालीटेक्निक संस्थानों ने भी इंजीनियरिंग के छात्रों की सूची देते हुए परीक्षा का हवाला दिया है। इन छात्रों की परीक्षा 20 दिसंबर से 13 जनवरी के बीच होनी है। दरअसल, निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मी आक्रोशित हैं। ऐसे में पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने वैकल्पिक व्यवस्था के लिए पॉलिटेक्निक संस्थानों, आईआईटी कॉलेजों, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों को पत्र भेजकर अभियांत्रिक शाखा को तैयार करने को कहा है। दोनों निगमों से जुड़े 42 जिलों के डीएम भी अपने स्तर से संबंधित विभागों के साथ समन्वय का दावा कर रहे हैं, लेकिन हकीकत एकदम अलग है। सिंचाई विभाग के अभियंताओं ने हड़ताल में शामिल होने का एलान किया है। अन्य विभाग के अभियंता भी अब बिजली अभियंताओं को समर्थन पत्र जारी कर रहे हैं। इसी क्रम में पॉलिटेक्निक संस्थान भी हाथ खड़े करने लगे हैं। राजकीय पालिटेक्निक आजमगढ़ के प्रधानाचार्य ने अधीक्षण अभियंता को छात्रों की सूची भेज दी है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 20 दिसंबर से 13 जनवरी तक डिप्लोमा कोर्स करने वाले छात्रों की परीक्षा है। इसी तरह अन्य कॉलेजों के प्रधानाचार्यों ने सूची के साथ परीक्षा का भी हवाला दिया है। ऐसे में संबंधित जोन के अधीक्षण अभियंता पशोपेश में हैं।

दुकान के बाहर सो रहे युवक की धारदार हथियार से हत्या

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में शनिवार देर रात दुकानों के बाहर सो रहे युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। खून से लथपथ लाश देखकर घरवाले चीख उठे। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोग परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। घटना सदरपुर थाना क्षेत्र के घरथरी चौराहे के पास की है। यहां पर थाना क्षेत्र के ही पट्टीपुरवा धरमपुर गांव निवासी मोहम्मद आरिफ (35) की दुकानें बनी हैं। वह दुकानों के बाहर बरामदे में सो रहे थे। सुबह वह नहीं जगे तो आसपास के लोगों ने पास जाकर देखा। लोगों ने आरिफ को जगाने के लिए रजाई हटाई तो वह खून से लथपथ था। देखकर लोगों के होश उड़ गए। घरवालों और पुलिस को सूचना दी। खबर मिली तो घरवाले रोते बिलखते पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

हृदय रोग के इलाज में नई तकनीक को अपनाएं डॉक्टर

लखनऊ। इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी में इलाज की नई विधि से सीमित संसाधनो में बेहतर नतीजे मिल सकते हैं। मरीजों के रिकवरी समय को भी कम कर सकते हैं। ये बातें निजी कॉरपोरेट हॉस्पिटल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. आरके सारन ने कहीं। वे शनिवार को लोकबंधु अस्पताल में न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी में प्रगति विषय पर हुई कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। लोकबंधु राज नारायण संयुक्त अस्पताल के निदेशक डॉ. सुरेश चंद कौशल और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने उपचार पर हुई चर्चा और सुझाव को बेहतर बताया। डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि हृदय रोग और न्यूरोलॉजी के मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिए अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर समेत अन्य डॉक्टरों के लिए सत्र रखा गया था। इसमें कॉरपोरेट हॉस्पिटल के विशेषज्ञ ने न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी से जुड़े रोगों से मरीज को पहले चरण में किस तरह बचाया जाए, इसकी आधुनिक विधि बताई।

विधानभवन घेराव को लेकर कांग्रेस की तैयारियां तेज : केशव मौर्य

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस ने 18 दिसंबर को होने वाले विधानभवन घेराव को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इस क्रम में सभी जिलों में पूर्व विधायकों को लोगों को जोड़ने के लिए पर्यवेक्षक बनाया गया है। इस रणनीति के जरिये पार्टी ने दो लक्ष्य साधे हैं। पहला, विरोध प्रदर्शन के लिए ज्यादा भीड़ जुटाई जा सकेगी, वहीं दूसरी ओर पूर्व विधायकों को सक्रिय होकर कौशल दिखाने का मौका दिया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बिजली के निजीकरण और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ने आदि आरोप लगाते हुए 18 दिसंबर को विधानभवन घेराव की घोषणा की है। शनिवार को सभी 75 जिलों में घेराव के लिए पर्यवेक्षक के तौर पर पूर्व विधायकों, पूर्व एमएलसी व पूर्व मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। पार्टी के निवर्तमान प्रदेश महासचिव संगठन अनिल यादव ने कहा कि यह प्रदर्शन भाजपा के कुशासन के विरोध में है। पार्टी की ओर से जारी सूची में पर्यवेक्षकों को उनका गृह क्षेत्र नहीं दिया गया है। इसमें पूर्व विधायक सतीश आजमी को लखनऊ और पूर्व मंत्री राजबहादुर को बाराबंकी की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह अन्य जिलों के लिए भी घोषणा की गई। विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। सदन के बाहर और भीतर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उपमुख्यमंत्री और विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रखने के निर्देश दिए। विधानभवन में हुई बैठक में उन्होंने प्रदेश में हाल में हुई आपराधिक घटनाओं पर चर्चा की। ताकि विधान परिषद में इन घटनाओं को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान यातायात और कानून व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में भी सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की और इसे सुदृढ़ बनाने को कहा। महाकुंभ में सुरक्षा बलों की तैनाती और ड्रोन से निगरानी की स्थिति भी जानीं और आपातकालीन सेवाओं को मुस्तैद रखने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश, पुलिस कमिश्नर लखनऊ अमरेंद्र सेंगर, विशेष सचिव गृह अनिल कुमार सिंह, डीएम लखनऊ सूर्यपाल गंगवार भी शामिल हुए।

छात्रवृत्ति हड़पने के दोषी पांच बाबुओं को तीन साल की कैद, 22 साल बाद आया फैसला... जुर्माना भी लगा

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सीबीआई की विशेष अदालत ने धोखाधड़ी कर छात्रवृत्ति हड़पने वाले माध्यमिक शिक्षा विभाग के पांच लिपिकों को तीन–तीन साल की कैद और जुर्माने की सजा सुनाई है। ये सजा कानपुर नगर के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के तत्कालीन वरिष्ठ लिपिक कृष्ण कुमार समेत पांच लोगों को दो अलग–अलग मामलों में सुनाई गई है। पहले मामले में तत्कालीन वरिष्ठ लिपिक कृष्ण कुमार और मनोज कुमार द्विवेदी को तीन–तीन साल की कैद और 60 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। वहीं दूसरे मामले में मनोज कुमार द्विवेदी, विनोद कुमार मिश्रा, सुलेमान और प्रेम सिंह उर्फ पूती को तीन–तीन साल की।

चिकित्सा के मानक तय करने वाले संस्थान में कम हो सर्जरी की वेटिंग

लखनऊ,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि संजय गांधी पीजीआई प्रदेश में चिकित्सा के मानक तय करता है। यहां मरीजों का दबाव है, फिर भी सर्जरी की वेटिंग कम करने की जरूरत है। वे संस्थान के 41वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह भी मौजूद रहे। सीएम ने कहा, सर्जरी की वेटिंग कम करने के लिए संसाधन बढ़ाने में सरकार हर तरह से सहयोग करेगी। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का चिकित्सा विज्ञान में बेहतर इस्तेमाल करने की भी वकालत की। कहा, कोरोना काल में 36 जनपदों में आईसीयू नहीं थे। ऐसे में संस्थान के निदेशक ने सुझाव दिया था कि हम टेली आईसीयू चला सकते हैं। उनकी सहायता से प्रदेश में वर्चुअल आईसीयू शुरू किया गया। इससे हजारों लोगों की जान बचाने में मदद मिली। कहा, पीजीआई देश का पहला संस्थान है,।

धरती पूर्वांचल की
(हिन्दी साप्ताहिक)
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अमित कुमार मिश्रा द्वारा पूर्वांचल प्रिंटिंग प्रेस, नगर पंचायत परतावल, वार्ड नं0 15 महन्थ अवैधनाथ नगर, महराजगंज से मुद्रित एवं नगर पंचायत परतावल, वार्ड नं0 15 महन्थ अवैधनाथ नगर, महराजगंज से प्रकाषित।
सम्पादक
अमित कुमार मिश्रा
मो0 नं – 9695674208
E-Mail
dhartipurvanchalki@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र महराजगंज न्यायालय ही मान्य होगा।